जयगुरुदेव आवाज़
भविष्यवाणियों
की
एक झलक
1972
जयगुरुदेव आध्यात्मिक साहित्य संस्थान नैमिषारण्य, जिला – सीतापुर, (उ0प्र0)

!! जयगुरुदेव नाम प्रभु का !!

भविष्यवाणियों की एक झलक

भाग - 2

1972

जयगुरुदेव आध्यात्मिक साहित्य संस्थान(रजि.)

प्रकाशक :-
जयगुरुदेव आध्यात्मिक साहित्य संस्थान
जयगुरुदेव आश्रम सतगुरु धाम,
नैमिषारण्य नया बस अड्डा के समीप,
नैमिषारण्य जिला - सीतापुर (उ0प्र0)
पिन कोड :- 261401

पहला संस्करण जून 2023
2000 प्रतियां

**जयगुरुदेव आध्यात्मिक वैचारिक प्रचार समिति
द्वारा संचालित**

धमार्थ मूल्य :- 50/-

ISBN :978-93-5692-979-1

नोट :- बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के सभी पत्रिकाओं एवं पुस्तकों को
www. jaigurudevsatgurudham.org से प्राप्त कर सकते हैं

तुम्हारे द्वारा फेंके गये प्रत्येक अणु बम
को जमीन पर उतार लिया जायेगा और वह फूटेगा नहीं ।

मुस्लिम राष्ट्रों में व्यापक रूप से नरसंहार होगा ।

भूमिका

विश्व विख्यात परम संत बाबा जयगुरुदेव जी महाराज एवं उनकी भविष्यवाणियों से कौन परिचित नहीं है। जब जब इस धरती पर पाप और अत्याचार बढ़ा, समाज जब तीन विभागों में बट गया - असुर, अधम, अभिमानी। तब तब उस प्रभु परमात्मा खुदा गॉड भगवान ने इन अधर्मियों का विनाश करने के लिए अवतारी शक्तियों को भेजा और समाज को सुधारने के लिए जीवों को निज घर पहुंचाने के लिए संत महापुरुषों को भेजा । इन महापुरुषों के आने के पहले ही इनके कार्य के बारे में भविष्यवाणियां हर युग में होती आई हैं। क्रमशः इस कलयुग में भी, कलयुग के परिवर्तन हेतु तमाम भविष्यवाणियां हुई जिनमें से भारत राष्ट्र के महान संत युग प्रवर्तक बाबा जयगुरुदेव जी महाराज ने भी बहुत सारी भविष्यवाणियां की, जो समय-समय पर सत्य साबित हुई। आज भारत एवं विश्व की जो विषम परिस्थितियां हैं उनके बारे में बाबा जी ने पचासों वर्ष पहले ही सब खोल कर बता दिया था। उनका कहना है कि आगे का समय बहुत ही खराब है अगर कोई बचना चाहे तो शुद्ध शाकाहारी होकर प्रभु का सच्चा भजन करे। उन्हीं समस्त भविष्यवाणियों को इस पुस्तक में संग्रहित किया गया है, इस पुस्तक में केवल 1972 की भविष्यवाणियां हैं। 1971 की भविष्यवाणियां पिछले पुस्तक में छप चुकी हैं। इन वाणियों को बताकर आपको भयभीत करने का कोई उद्देश्य नहीं अपितु समय से सचेत करने का प्रयास है। जयगुरुदेव

~ सम्पादक

भविष्य में लोग स्वेच्छा से हिन्दू धर्म स्वीकार कर लेंगे

सत्संग के दौरान जयगुरुदेव बाबा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लोग तीन मिनट में भगवान को याद करेंगे। यदि लोगों को होश न आ जाये तो मुझसे कहना। जब भारतवर्ष और विश्व के देशों में सूखा पड़ेगा और अन्न का दाना नहीं मिलेगा तो तुम्हारी अक्ल ठिकाने आ जायेगी। कुदरत का एक ही डंडा तुम्हारे लिए काफी है।

स्वामी जी ने यह भी कहा कि जिधर से सूरज निकलता है और जिधर डूबता है उस पूरे हिस्से पर भारत का अखण्ड राज्य होगा। विश्व के लोग भारत द्वारा बनाये गये कानूनों को मानेंगे और स्वेच्छा से हिन्दू धर्म को कबूल कर लेंगे। नेपाल, तिब्बत, लंका, ब्रह्मा, पाकिस्तान , अरब देश टूट कर भारतवर्ष में मिल जायेंगे। ~1 फरवरी 1972, बाराबंकी

जयगुरुदेव नाम से भूत उतर गया

कुछ प्रेमियों ने इस बात का जिक्र किया कि लखनऊ में जयगुरुदेव नाम सुनाने से तीन - चार व्यक्तियों के ऊपर से भूत उतर गया। स्वामी जी उनकी बातों को सुनकर हंसने लगे और बोले कि जब किसी को भूत परेशान करता हो तो चार सत्संगी आगे पीछे खड़े हो जायें और नीम की पत्ती लेकर सिर, मुँह पीठ पर घुमाते रहें और साथ ही जयगुरुदेव, जयगुरुदेव इस प्रकार बोलते रहें -

'जयगुरुदेव जयगुरुदेव .... छू ।'

उसके बाद देखें कि भूत कैसे नहीं उतरता है।

स्वामी जी ने यहां बताया कि तीन वर्षों से पहाड़ों पर (हिमालय) बरफ नहीं

गिर रही है। बरफ पिघलने पर पानी आता है। जब बरफ नहीं रहेगी तो पानी कहां से आयेगा ? भविष्य में पानी की बहुत कमी होगी। उस समय रेडियो अखबारों से लोग यही कहेंगे कि यह तो प्राकृतिक प्रकोप है अब हम क्या करें।

~ 20 जनवरी 1972, लखनऊ

प्रजातंत्र में गदहा भी जीत जायेगा

यहां स्वामी जी ने 6 – 7 हजार से ऊपर विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं ग्रामीण जनता के बीच कहा कि इस प्रजातंत्र में यदि मैं गदहे को टिकट देकर कहीं से खड़ा कर दूं तो वह जीत जायेगा। वह प्रजातंत्र का सच्चा सेवक होगा और अधिक से अधिक बोझ ढोयेगा। स्वामी जी ने आगे हँसते हुए कहा कि उसकी एक और विशेषता होगी और वह यह कि खतरे के समय में वह सायरन भी जोर से बजायेगा।

~19 जनवरी 1972, छिबरामऊ

तुम्हारे द्वारा फेंके गये अणु बमों को जमीन पर उतार लिया जायेगा

यहां दस हजार से ऊपर लोगों के बीच 3 घंटा 10 मिनट तक बोलते हुये जयगुरुदेव बाबा ने कहा कि मेरे सन्देश को सभी दूतावासों तक आप पहुंचा दें। भारतवर्ष में महान आत्मा का जन्म हो चुका है। पाकिस्तान की लड़ाई में दैविक शक्तियों ने पूरा साथ दिया और विदेशियों के मंसूबे नाकाम हो गये।

दूसरे मुल्कों का जिक्र करते हुये बाबा जी ने बताया कि यदि तुम भारत की परीक्षा लेना चाहते हो तो सभी मुल्क मिलकर एक साथ अपनी समस्त आणविक अस्त्रों से भारत पर हमला करो, फिर तुम्हें अध्यात्म शक्ति का पता चल जायेगा। तुम्हारे द्वारा फेंके गये प्रत्येक अणु बम को जमीन पर

उतार लिया जायेगा और वह फूटेगा नहीं। तुम्हें यह बात मालुम नहीं है । तुम्हारी खोपड़ी की हर फितरत को महात्मा जानते हैं। अगर तुम यह सोचते हो कि किटाणु बमों को भारत में गिरा देंगे और करोड़ों लोगों का सफाया हो जायेगा तो बन्दे तुझे खबर नहीं है कि उस समय ऐसी उल्टी आंधी चल पड़ेगी कि तुम्हारा ही सफाया हो जायेगा। नेपाल में घटना घटी। मैंने कुछ प्रेमियों को 4 – 5 दिन पहले बताया। अभी कुछ घटना और घटेगी। अगर स्पष्ट रूप से बता दूं तो तुम्हारी नींद हराम हो जायेगी। चीन में भी कुछ होगा। मैं यह नहीं कहता हूं कि तुम मेरी बातों को मानो, मैं यह कहता हूं कि कम से कम सुन तो लो और अपनी डायरी में नोट कर लो। जब घटना घटित हो जायेगी तब मान लेना। ~2 फरवरी 1972, कानपुर

बम्बई का प्रलय ऐसे होगा

प्रातः काल चर्चगेट तथा नरीमनपाइन्ट की तरफ समुद्री तट पर टहलते हुए स्वामी जी ने कहा कि इसी समुद्र में ऐसे तूफान आयेंगे कि बम्बई की बहुत सी इमारतें नष्ट हो जायेंगी। इसी समुद्र में ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी कि तमाम मछलियां मर कर सड़ जायेंगी और उनकी दुर्गन्धों या अन्य प्रकार की दुर्गन्धों से अनेकों प्रकार की बीमारियां फैल जायेंगी। एक समय ऐसा आयेगा कि आप सभी को मांस और मछली खाने को नहीं मिलेगी तब आप क्या खायेंगे। इससे अच्छा अभी मांस मछली का खाना छोड़कर शाकाहार और सदाचार अपना लें।

सत्संग में हजारों नर – नारियों के बीच स्वामी जी ने कहा कि समुद्री तूफानों के आने से बहुत से छोटे छोटे शहर गांव नष्ट हो जायेंगे और बहुत से छोटे छोटे नये टापुओं का उदय होगा जिस पर आर्थिक और शक्तिशाली

लोगों का अधिकार होगा। अपने अपने अनैतिक कर्मों को छोड़कर सद्मार्ग को अपना लें अन्यथा सदैव सहने को तैयार हो जायें। ~12 जनवरी 1972, बम्बई

संसार के पतन की निशानी

1) महात्माओं की संगत में आकर सब यह न समझें कि उन सब की सद्गति हो जायेगी। भ्रम वाले कभी पार नहीं जा सकते।

2) राजा वही है जो नियम लागू करता है तथा उसी के अनुसार अपने भी चलता है। यदि बनाये हुए कानून के अनुसार राजा नहीं चलेगा तो राज्य में अनाचार फैल जाता है। लोग अपने सत पथ से गिर जाते हैं और स्त्रियों के रास्ते भी भ्रष्ट हो जाते हैं ।

3) जब हर कौम के लोग आपस में मिलना जुलना, बैठना और खाना पीना एक जगह करते हों, किसी के प्रति कोई भी भेदभाव नहीं समझता हो तो उसी वक्त समझना चाहिए कि संसार की अवस्था पतन की हो रही है।

4) कहां स्त्रियां धर्म की रक्षा करती थीं, कहां स्त्रियां ही अण्डा, शराब, मांस, सिगरेट आदि सब व्यसन करने लगी हैं।

5) कुछ ही दिनों में भंडा फूटने वाला है। मनुष्यों की अधिक संख्या में क्षति होगी। यदि मानव मात्र धर्म को नहीं अपनाते हैं तो कदापि शान्ति नहीं मिलेगी। ~21 फरवरी 1972

बंगलादेश में भारी नरसंहार होगा

स्वामी जी ने कहा कि मैं कलकत्ते में घूम रहा था। बंगला देश के कुछ लोगों से मेरी बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि मैंने चोरों को मार भगाया है और अब डाकुओं को निकालना है।

स्वामी जी ने बताया कि हमारे पचासों हजार सिपाही शहीद हो गये

और हजारों अस्पतालों में बीमार पड़े हैं। असलियत यह है कि भारतीय जवानों के कारण ही बंगला देश स्वाधीन हुआ। सरकार को बंगला देश को मान्यता नहीं देना चाहिए था। अब खूब 'जै बंगला जै मुजीब' भजते रहो। तीन तीन बार टैक्स लगा दिया। जितनी बार भी माल खरीदा बेचा जायेगा बंगला टैक्स देना होगा। इस टैक्स को गरीब मजदूर किसान के अलावा कोई नहीं देगा। बंगला देश में खून खराबा होगा और अंततः बंगला देश समाप्त होकर भारत में मिल जायेगा। मुस्लिम राष्ट्रों में व्यापक रूप से नरसंहार होगा।

~5 फरवरी 1972, इंदौर

29.02.1972, रामलीला मैदान, जयपुर

जमाना जरूर बदलेगा

अब ये प्रार्थनायें कुछ अरसे से उनके दरबार में होते रही और बहुत दिनों के बाद में उसने स्वीकार किया तब यह बात आपके कानों में डाली जा रही है कि जमाना बदलेगा। रास्ता फिर से दोबारा खुलेगा और आध्यात्मवाद आयेगा, प्रेम बढ़ेगा और चरित्र उठेगा। आपस में प्रेम लोगों में बढ़ेगा और आपस में लोग दुःखों को प्रेम से दूर कर लेंगे। और उस प्रेम में आकर चोरी चमारियां और धोखेधड़ियां बंद हो जायेंगी।

अवतार पैदा हो गया है

अब आप सुन लें। एक आदमी दुनियां में ऐसा पैदा हो गया है जो दुनियां के लिए इतना खराब और इतना अच्छा कि जो पिछले से अब तक के इतिहास को बदल देगा। लेकिन तुम अभी उधर ही जा रहे हो और जब वक्त आ जायेगा तब तुम्हें पता चलेगा, ये कोई मामूली बात नहीं है। बड़ी बात है। उस बड़ी बात को समय आने पर ही कहना चाहता हूं। तुम्हें मजबूरन सुनना

चीन
हिन्दुस्तान
चीन भारत पर हमला करेगा परन्तु भारत की आध्यात्मिक शक्तियों
के आगे घुटने टेक देगा और स्वेच्छा से तिब्बत छोड़ देगा

अरब और इजरायल में आपसी युद्ध होगा,
अरब का अधिकांश भाग इजरायल के अधिकार में हो जायेगा
अरब के कुछ भागों पर भारत का अधिकार होगा
इजरायल
अरब

पड़ेगा चाहे तुम किसी भी अवस्था में सुनो। ~29 फरवरी 1972, रामलीला मैदान, जयपुर

मेरी बात राष्ट्रपति को भी सुनना पड़ेगा

ऐ दुनियां के लोग शिक्षित - अशिक्षित, ग्राम - शहर, मजदूर किसान हिन्दू मुसलमान इसाई और जैनी हर कोई इस बात को सुन लें कि उसे किसी न किसी परिस्थिति में पहुंच कर मेरी बात सुनना होगा। यह बिना सुने हुये तुम्हारा गुजारा अब किसी तरह से होने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री बनो चाहे एक राष्ट्रपति को बदल दो और तुम राष्ट्रपति हो जाओ, प्रधानमंत्री को भी, राष्ट्रपति को भी और तुमको भी मजबूरन सुनना ही पड़ेगा। देखना पड़ेगा। बिना सुने हुये देश में यह काम तो अब आपको देखना ही है। ~29.02.1972

आग की लपटें तुम्हारा विनाश करेंगी

सारी चीजें तुम्हारे सामने ज्यों की त्यों चाहे आग की लपटें आयें चाहे पानी की शीतल हवायें आयें लेकिन यह देखना ही होगा। हवायें जो पानी की शीतल आयेंगी वह रक्षा करेंगी। जो लपटें आयेंगी वह तुम्हारा विनाश करेंगी। उसके बाद देश में धर्म की कर्म की स्थापना होकर रहेगी। धर्म और कर्म की स्थापना देश में हो जायेगी तो गौवों का काटना अपने आप देश में बंद हो जायेगा। राष्ट्रभाषा हिन्दी और संस्कृत स्वाभाविक हो जायेगी देश में जन जन का चरित्र उठ जायेगा। ~29.02.1972

मेरा असर तुम पर, तुम्हारा उन पर

मैं अपना असर उनके ऊपर नहीं करना चाहूँगा। मैं अपना असर तुम्हारे ऊपर करना चाहूँगा। और तुम्हारा असर उनके ऊपर। जो असर तुम्हारे ऊपर होगा वह मेरे स्वप्न के देवता का होगा और तुम्हारा असर जो उन पर होगा वह तुम्हारे साक्षात्कार का तुम्हारे भौतिक कार्यों का होगा। ~29.02.1972

एक साल बाद सामने आ जायेगा

यह आप को मैं विशेष बात जो है थोड़ी थोड़ी खोलना चाहता हूं। मैं तुमको अपने स्वप्न के देवता का विश्वास दिलाता हूं कि एक वक्त आयेगा कि जो तुम कहोगे वह होगा। जो वे लोग कहेंगे जो दिल्ली जयपुर और कलकत्ते में बैठे हैं वह कहेंगे तो नहीं होगा और तुम कहोगे तो होगा। यह बात आयेगी तुम्हारे सामने। आज और एक बरस तक इसके भ्रम में रहिये। एक बरस तक आप संशय की छलांग यानी उछल कूद मारते रहिये। फिर उसके बाद स्वयं ही यानी अपने आप आपके असर सड़कों पर खिंचती चली आयेगी और वे अपने आप सड़कों पर खिंचते चले आयेंगे। यह दृश्य देखने को मिलेगा। समय और समय की पुकार, समय और समय की ताप, समय और समय की ज्वाला स्वयं ही जलायेगी। घबराने की बात नहीं। ~29.02.1972

हिन्दू और चीनी भाई - भाई, होशियार !

1957 में, 1958 में और 1963 में मैंने कहा बम्बई के चौपाटी के मैदान में, जो आपने नारा लगाया ''हिन्दी और हिन्दू और चीनी भाई - भाई,'' होशियार हो जाओ चीन आपके ऊपर हमला करने जा रहा है। बम्बई में जो बड़े - बड़े भौतिकवादी रहते हैं उनसे एक आवाज लगाई और इनसे जो निकट में रहते है इन्होंने सुना। उन्होंने कहा कि यह क्या बात आज के युग में कहते हैं। यहां तो चीन का भाईचारे का रिश्ता और ये क्या कह रहें है ?
~29.02.1972

गरीबी को हटाना है तो क्या करें

अगर गरीबी को हटाना है, सस्ती को लाना है शान्ति को देना है रामराज्य की स्थापना करनी है, हड़ताल तोड़फोड़ अनशन को खत्म करना है, राष्ट्रभक्ति सीखनी है और राष्ट्र की वस्तु को अपना समझना और समझाना

है तो आप शराब, ताड़ी, गांजा, भांग और अण्डा मांस मछली दुराचार हड़ताल तोड़फोड़ आंदोलन राजनैतिक पारिवारिक सामूहिक इनका परित्याग कर दीजिए। आज देश की जनता और देश की वस्तुओं की तभी रक्षा हो सकती है तभी हमलोग सुख शान्ति यानी इस वस्तुओं के द्वारा आध्यात्मिक शान्ति प्राप्त कर सकते हैं। और किसी भी तरह से नहीं हो सकता है।

~29.02.1972

मुसलमान आपस में लड़ कर खत्म होंगे

बड़े ध्यान से सुनें। यह मोटी बातें हैं। मुसलमान मुसलमान अब आपस में बड़ी भारी संख्या में लड़ेंगे और देश दुनियां का परिवर्तन होगा। नियम और विधान सारे विश्व के भारत में बनेंगे। भारत के न्याय और विधान का पालन विश्व के सभी लोग करेंगे। और भारत का जो संविधान है प्रजातन्त्र का वह बना रक्खा है वह भविष्य में बदल जायेगा। प्रजातन्त्र का विधान भविष्य में लागू होगा और यह प्रजातन्त्र का विधान नहीं है। वह प्रजातन्त्र का विधान ऐसा विधान होगा कि सभी सचरित्र, लड़ाइयों से मुक्त, सभी वैमनष्यताओं से मुक्त, सभी छल कपटों से मुक्त, सभी अखाद्य खाने वालों से मुक्त। सभी सत्यवादी लोग होंगे।

~29.02.1972

अब स्त्रियां जेवर पहने सड़कों पर घूमती नजर आयेंगी

जिस दिन से यह काम होने लगेगा तब ये देखेंगे कि कौन रिश्वत लेता है और कौन काम नहीं करता है। कौन चोरी करता है और कौन डाके डालता है। किसको पकड़ना है। किसको छोड़ना है। पुलिस के सिपाही और फौज के सिपाही, इनको जर्रे जर्रे का हाल मालूम है। मगर ये इस प्रतीक्षा में है कि इन्हें पर्याप्त मात्रा में भोजन कपड़ा इनके और बच्चों के लिए मिलने लगे तो मैं

इनको वह काम करके दिखाऊँगा कि जो अभी तक के नेताओं ने नहीं किया है। मुझसे उन सिपाहियों ने कहा कि मैं न एक पैसा रिश्वत लूंगा और न रिश्वत लेने दूंगा। उनका एक पैर थाने में और दूसरा पैर जेलखाने में होगा। तब यह आपका सिपाही ऐसा करेगा कि किसी दुकान में ताला बन्द नहीं होगा। स्त्रियां जेवर पहने सड़कों पर घूमती होंगी। कोई चोर बदमाश इन्हें छेड़ नहीं सकते। और इन्होंने हमसे वादा किया और कहा कि आप हमें पर्याप्त मात्रा में भोजन दे दीजिए फिर देखिये कि मैं कितना बड़ा काम करता हूं। हमने एक दरखास्त दी, यहां की विधान सभाओं में नहीं। न प्रधानमन्त्री न मुख्यमन्त्री को दरखास्त दे सकता हूं। यह तो दरखास्त उसको (भगवान को) दी है। और वह किस तरह से यह दरखास्त मन्जूर करेगा यह तो वह उसको मालुम है। यह समझ में आ जायेगा महराज, यह मालूम हो जायेगा। ~29.02.1972

विनम्रता का नतीजा

तब मालुम होगा कि बाबा जी सड़कों पर घूम घूम के विनम्रता के साथ में, आदर और सत्कार के साथ भ्रमण कर रहे थे। नीच बनकर, तब आप की समझ में आ जायेगा, अभी आप की समझ में कुछ नहीं आयेगा। ~29.02.72

मलेशिया के बैंकों में करोड़ो रुपया जमा है

जितना चाहो लाख, दो लाख एक करोड़ दो करोड़ जमा कर लो। अपने प्रजातन्त्र जनता का और अपने किसान मजदूर और कम वेतन पाने वालों का। इतना रुपया यहां से इकट्ठा कर विदेशी बैंकों में जमा किया है कि एक वक्त आयेगा कि वहां से सूची लाकर आपके सामने रख दिया जायेगा कि इतना करोड़ डॉलर इस इस आदमी का जमा है। अभी आप को पता ही क्या

सभी मुसलमानी राष्ट्र आपस में
लड़कर समाप्त हो जायेगे
जयगुरुदेव
नाम प्रभु का
KAZKAHSTAN
UZBEKISTAN
TURKMENISTAN
AFGHANISTAN
IRAN
IRAQ
SYRIA
TURKEY
SAUDI
ARABIA
EGYPT
LIBYA
ALGERIA
MOROCCO
TUNISIA
MALI
NIGER
CHAD
SUDAN
ETHIOPIA
KENYA
UGANDA
TANZANIA
NIGERIA
CAMEROON
CENTRAL
AFRICAN
SOUT SUDAN
BURKINA
FASO
GHANA
MAURITANIA
GUINEA
संसार में मुसलमानों की संख्या सब जातियों से कम रह जायेगी ।
बचे हुए मुसलमान भी धार्मिक होगे ।

अतिवृष्टि

है। अभी मैं मलेशिया की यात्रा कर के लौटा। वहां के बैंकों में इतना रुपया जमा है कि आप सुन लो तो आप का हृदय जल पड़ेगा तब कहोगे कि क्या है कुछ नहीं। तो अभी तुम क्या जानो। यह बाबा ने सब समझ रखा है।

सुधारने वाली शक्ति पैदा हो चुकी है

आगे आने वाली महान आत्मायें जन्म ले चुकी हैं उनके सम्बन्ध में यह बताना है। उनकी आयु 30 वर्ष से ऊपर है और काम करने वाली आत्माओं की उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच में है । तुम्हारे ऐसे बच्चे काम करने वाले तुम्हारे बीच में बैठे हैं कि पांच आदमी सारे भारत के इतिहास को बदल दे । और तुम लाखों आदमी वादे करते हो और इस भारत के एक इंसान का भी इतिहास नहीं बदलते हो, बड़ी मुश्किल की बात है। ~29.02.1972

12.01.1972, बम्बई
पाप का घड़ा भर चुका है

गाय, भेड़, बकरी, मुर्गी आदि सभी जीवों का मारना और उनके मांस तथा अण्डे का खाना छोड़ दें। गांजा शराब, इत्यादि नशीली वस्तुओं का पीना छोड़ दें जिससे इस जनमत का सुधार हो सके, वरना सुधार करना मुश्किल है। जब तक शाकाहारी-सदाचारी निरामिष और मद्यपान रहित न बनेंगे तब तक सद्बुद्धि प्रेम, सेवा तथा उदारता को न पा सकेंगे। आज इसकी बहुत बड़ी जरूरत है यदि आप अपने उन बुरे कर्मो को न छोड़े तो उन्हीं कर्मो का कठिन परिणाम भोगने के लिए तैयार हो जायें। पाप कर्मो से सनातन ज्ञान और मानव धर्म का लोप हो चुका है। जब पाप का घड़ा भर जाता है तो वह अपने आप ही फूटता है। ~12.01.1972, आजाद नगर वाडला, बम्बई

महान आत्मा का जन्म हो चुका है

सनातन धर्म कर्म को भूल कर जब अत्याचार और पाप कर्म बढ़ जाते हैं तब

भारत में महान शक्ति का जन्म होता है। भारतवर्ष के एक छोटे से गांव में उस महान आत्मा का जन्म हो चुका है जिसकी अवस्था 30 वर्ष से ऊपर है। सहायक शक्तियां जो आकाशमण्डल के ऊपर से उतर कर माताओं के गर्भ से जन्म ले चुकी है, उनकी भी अवस्थायें 20 वर्ष से 30 वर्ष के मध्य है। यह सहायक शक्तियां सन 1972 ई0 के अन्त तक अपने शिक्षा कार्य को समाप्त कर लेंगी। सन 1972 के बाद वे सारी की सारी शक्तियां संगठित हो जायेंगी। ~12.01.1972, बम्बई

अध्यात्म शक्ति के सामने अणु शक्ति कुछ नहीं

विदेशों के द्वारा भारत पर फेंके जाने वाले अणु बम नहीं फूटेंगे। महात्माओं की कृपा से आवश्यकतानुसार वे बम ऊपर से लाकर फूल की तरह जमीन पर रख दिये जायेंगे। यदि विश्व की सारी शक्तियां भी मिल कर भारत वर्ष पर हमला करें तो भी अब भारत को कोई जीत नहीं सकता है। भारत वर्ष की अध्यात्म शक्ति के सामने सारे विश्व की शक्तियां झुक जायेंगी। भविष्य में एक ऐसा समय आयेगा कि भारत वर्ष की वैज्ञानिक उन्नति को देख कर अमेरिका, रूस, चीन, जापान आदि देश दांतों तले अंगुली दबायेंगे। हां इतना अवश्य होगा कि भारत में भी लोगों को कर्मानुसार अनेकों प्रकार के प्रकोपों का सामना करना पड़ेगा। ~12.01.1972, बम्बई

सन 1970 से 1980 तक परिवर्तन

आगे चल कर एक बहुत बड़ा प्राकृतिक प्रकोप आने वाला है। आंधी, तूफान, भूकम्प, अतिवृष्टि का भयंकर प्रकोप आयेगा पानी के न बरसने से, खेत में अन्न नहीं पैदा होगा। नदी, तालाब, कूएं तथा ट्यूबबेल में पानी नहीं मिलेगा। उसी समय विश्व के अधिकांश देशों मे सूखा और बरसात

पड़ेगी जिससे अन्न पैदा नहीं होगा। समुद्री तूफानों के आने पर अधिकांश छोटे बड़े टापू नष्ट हो जायेंगे। पुनः नये नये टापूओं का उदय होगा। जिस पर आर्थिक और शक्तिशाली लोगों का अधिकार होगा। अनेकों प्रकार की बीमारियों से लोग बेमौत मरेंगे। लाशों पर लाशें पड़ी रहेंगी कोई हटाने वाला नहीं मिलेगा। ~12.01.1972, बम्बई

लोग बम्बई छोड़ कर भागेंगे

बम्बई के निवासी ये न सोचें कि मार तो अहमदाबाद में ही हो रही है यहां कुछ नहीं होगा। बम्बई में भी पानी की इतनी बड़ी कमी पड़ेगी कि आप को जो सुबह शाम एक दो घन्टा पानी मिल रहा है वह भी नहीं मिलेगा। पानी की कमी आने पर आप सभी बम्बई छोड़कर भागेंगे फिर बम्बई आने का नाम न लेंगे। आप के इसी चौपाटी वाले समुन्द्र में इतना बड़ा तूफान आयेगा कि यहां की बहुत सी बिल्डिगें ध्वस्त हो जायेंगी। आप 10-15 महले की बिल्डिगों में रहते हैं तो ये न सोचें कि हम बच जायेंगे। एक समय ऐसा आयेगा कि समुन्द्री तूफानों के आने पर अनेकों जाति की मछलियां तथा जीव मर कर सड़ जायेंगे। मछलियों के सड़ाव की दुर्गन्धों या अन्य दुर्गन्धों से अनेकों प्रकार की बीमारियां फैल जायेंगी। मछलियों की कमी होने पर आप क्या खायेंगे ? ~12.01.1972, बम्बई

भविष्य में भीषण युद्ध

भविष्य में बहुत बड़े-बड़े युद्ध होंगे इजराइल और अरब में आपसी युद्ध होगा। अरब का अधिकांश भाग इजराइल के अधिकार में हो जायेगा। अरब में भी कुछ भागों पर भारत का अधिकार होगा। पूर्व का पाकिस्तान समाप्त हो गया अब पश्चिम का भी पाकिस्तान समाप्त हो जायेगा। मैंने पहले ही

कहा था कि पाकिस्तान नाम का कोई देश नहीं रहेगा। मुसलमानी राष्ट्रों में आपसी युद्ध होगा। सभी मुसलमानी राष्ट्र आपस में लड़ कर समाप्त हो जायेंगे। संसार में मुसलामानों की संख्या सब जातियों से कम रह जायेगी। बचे हुए मुसलमान भी धार्मिक होंगे। सभी छोटे - छोटे देश टूट कर बड़े - बड़े देशों से मिल जायेंगे। विश्व के अधिकांश देशों में आपसी लड़ाई होगी। भारी संख्या में नर संहार होगा। ~12.01.1972, बम्बई

बीमारियों के बम फेंके जायेंगे

स्वामी जी ने बम्बई में इस रहस्य को बताया कि भविष्य में बीमारियों के बम फेंके जायेंगे। उन बमों के फूटने पर नाना प्रकार की बीमारियां फैल जायेंगी। बीमारियों से लोग बेमौत मरेंगे। इस प्रकार की शुरूआत चीन करेगा। चीन अमेरिका के बड़े - बड़े शहरों को नष्ट कर देगा। वहां भी लोग बेमौत मरेंगे। अमेरिका चीन तथ रूस-चीन में आपसी युद्ध होगा। चीन में भी भारी संख्या में लोग मरेंगे। चीन की बची आबादी को भारत शरण देगा। आगे चलकर गृह युद्ध छिड़ जायेगा। अन्न और दवाइयों की कमी पड़ जायेगी। मेरी बातों को अभी आप हंसी मानते हैं। मैं तो आत्म कल्याण का काम करता हूं। आप मेरी बातों को अभी न मानें जब सामने आयेगी तब मानना। ~12.01.1972

अखण्ड भारत बनेगा

जिन कामों के करने से रावण डरता था वे सभी काम आज दिल्ली की गद्दी पर बैठकर हो रहे हैं। भविष्य में गायों का काटना तथा मांस मछली शराब आदि की दूकानें बन्द हो जायेंगी। सबसे नीच कर्म गर्भपात, परिवार नियोजन बन्द कर दिया जायेगा। भारत के सभी लोग धार्मिक और शाकाहारी होंगे। अमेरिका से सुरक्षा परिषद उठकर भारत में चली आयेगी।

भविष्य में समुद्री एवं आसमानी
तूफान से भारी नरसंहार होगा

भविष्य में चक्रवात (तूफान) से बिल्डिगें
गेंद की तरह आसमान में उछल जायेंगी
भूकम्प से ऊंची ऊंची मंजिले धराशायी हो जायेंगी

भारतवर्ष के बनाये गये नियमों का पालन पूरा विश्व करेगा। पश्चिम के लोग भारत की संस्कृति और खान पान तथा वेश भूषा को अपनायेंगे। भारत की राष्ट्र भाषा हिन्दी और संस्कृत होगी। ~12.01.1972, बम्बई

महान आत्मा का जन्म

महान आत्मा के जन्म लेने के कारण अब परिवर्तन होना जरूर है। जो लोग समय के साथ बह गए उनका तो लाभ हो गया। राम, कृष्ण, मुहम्मद के साथ जो बह गए उनका लाभ हुआ और जो नहीं बहे उनका नुकसान हो गया। महान आत्मा का जन्म भारतवर्ष में हो गया है और उनकी उम्र इस समय 30 वर्ष के ऊपर है, 30 वर्ष के नीचे नहीं। उनके साथ इस आसमान के ऊपर से आत्माओं का एक समाज भेजा गया है जिसे वह समय पर इकट्ठा कर लेगी। वह आत्माएं क्या काम करेंगी यह तो बाद में बताऊंगा लेकिन सन 70,71,72 को कारण तो बन जाने दीजिए। काम बाद में होगा। ~26.01.72

सीता हरण भी कारण बना था

भगवान राम इसी गंगा को पार करते हुए 14 वर्ष के लिए वनवास को गए थे। 12 वर्ष तक तो उन्होंने काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार को दमन करने का यज्ञ किया। उसी समय पर रावण आया और सीता को चुरा ले गया। लड़ाई बाद में हुई। रावण बाद में मारा गया, लंका बाद में जली। 70, 71, 72 भारत और विश्व के लिए विनाशकारी दुखदायी कारण सिद्ध होंगे और काम बाद में होगा। ~26.01.1972, नैनी, इलाहाबाद

आगे के लिए भविष्यवाणियां

हम आपको यह परिचय दे रहे हैं और हर साल देते जाएंगे। जब यह घटनाएं बतला रहा था तो लोग हंसते थे और कहते थे कि पूरब का पाकिस्तान कैसे

खत्म हो जाएगा। मैंने कहा कि जब समाप्त हो जाए तब मानना। और अब यह कहता हूं कि पश्चिम का पाकिस्तान भी समाप्त हो जाएगा। हमने कहा था कि बंगलादेश को मान्यता मत देना। आपको क्या पता कि यह रहमान क्या करेगा। अभी जो आप जेब में घुंघरूं की तरह बँगला देश को बजा रहे हैं तो बाद में पता चलेगा। ~26.01.1972, नैनी, इलाहाबाद

आगे सूखा पड़ेगा

अभी आगे चलकर देश और विश्व में एक सूखा पड़ेगा। पहाड़ों की बर्फ नहीं पिघलेंगी। पानी नहीं बरसेगा तो नदियां सूख जायेंगी। नदी सूख जाने से नहरों में पानी आना बन्द हो जाएगा जिससे बड़े-बड़े जेनरेटर बन्द हो जाएंगे और ट्यूबवेल (TUBEWELL) बन्द हो जाएंगे और सिंचाई नहीं होगी तो अन्न कैसे होगा। अभी आपको पता ही क्या है ? कुदरत का एक डंडा भी चल गया तो सब साफ हो जाएगा। अभी तो आप खूब मांस, मछली, शराब आदि खा पी लो। अगर भगवान ने आप का मुंह बड़ा बनाया होता तो पूरा का पूरा ऊँट मुँह में रख लेते। यह सब नोट करें। मैं भारत भर ढिंढोरा पीट दूंगा कि क्या होगा आगे तो सभी लोग कहेंगे ही हमारी बात, लेकिन यह कहेंगे कि क्या करें। यह तो दैवी प्रकोप है। ~26.01.1972

उधर में सनीमा तैयार हो रहा है

उधर में मैं गवाही दूंगा कि इन्हें ऐसे बैठाल कर सुनाया था। आप को तो मालूम नहीं कि उधर में सनीमा तैयार हो रहा है। वह आपसे पूछेगा तो आप कहोगे कि किसी ने बताया नहीं तो उधर मैं गवाही दूंगा। यह आवाज जो आप को सुनाई जा रही है, सुनाई जाएगी तब आप कहिएगा कि हां, सुनाया तो था। तब वह पूछेगा कि झूठ क्यों बोले। ~26.01.1972, नैनी, इलाहाबाद

मंहगाई तथा टैक्स और बढ़ेंगे

अब आप रोते हो कि चीनी का दाम बढ़ गया, तेल का दाम बढ़ गया, सब्जी का दाम बढ़ गया। अभी क्या है। अभी महंगाई और बढ़ेगी। टैक्स और लगेंगे। 1 जनवरी 1970 को जयपुर में कहा था कि चीनी का दाम 3 से ऊपर हो जाएगा और यहां तो कहीं सरकारी दाम न हो जाए। अभी तो महंगाई और बढ़ेगी। इतनी महंगाई बढ़ेगी कि कितना सामान तो देखने को नहीं मिलेगा। सारी महंगाई सारा टैक्स आप ही को देना होगा आप कहेंगे कि हमी को कैसे देना होगा ? अरे जब आप बाजार में सामान बेचने जाएंगे तब सस्ता से सस्ता कर दिया जाएगा और अधिक तौल कर ले लिया जाएगा। जब आप बाजार में सामान खरीदने जाएंगे तो महंगा दिया जाएगा और कम तौल कर दिया जाएगा उस पर सड़ा गला सामान दिया जाएगा। लेने में भी तुमसे और देने में भी तुमसे। सेठ – साहूकार मंत्री को एक पैसा नहीं देना है। सब तुम्हीं को देना होगा।

~26.01.1972, नैनी, इलाहाबाद

सन 1980 के बाद

एक समय आएगा कि तुम्हें ये स्त्रियां अच्छी नहीं लगेंगी और इन्हें तुम नहीं अच्छे लगोगे। अगर ऐसा समय न आए तो तुम मुझसे कहना। बस्ती जिले में 30 हजार किसानों के बीच कहा था कि दिवाली के पहले बीज मत बोना लेकिन ये क्यों मानें हमारी बात ? जब मैं 1500 मील की यात्रा पर यात्रियों के साथ बस्ती पहुंचा तो कितने ही हजार किसान दूर दूर से आए और रोने लगे कि महाराज हमने आपकी बात नहीं मानी। हमारा बहुत नुकसान हो गया। और जब मैं कह रहा था तब तो माने नहीं। क्या तुम्हारी गोद में बैठकर कहता तब तुम मानते।

मैं तो कहता हूं कि कोई भी पूजा-पाठ, तीरथ व्रत आपको करने की कोई जरूरत नहीं है। आप कुछ समय के लिए भगवान हम बाद में तुम्हारी पूजा इकट्ठी कर लेंगे। कोई बात नहीं। मैं तो कहता हूं कि पहले आप मांस, मछली, अण्डा, शराब, ताड़ी आदि अनैतिक कर्मों का परित्याग कर दें तो इसमें बुरा क्या है ?

~26.01.1972, नैनी, इलाहाबाद

ताली बजाने की कोई जरूरत नहीं

ताली बजाने की कोई जरूरत नहीं। मैं कोई हिजड़ा नहीं हूं। जिन्हे ताली का शौक हो, उनके लिए आप ताली बजाइये। मुझे तो आपके दर्द को देखकर तकलीफ है। अगर तुमने समझ लिया तो तुम्हारा लाभ और नहीं तो तुम्हारा नुकसान ही है।

~26.01.1972, नैनी, इलाहाबाद

जग में जयगुरुदेव का झंडा

जोर लगाले अहले जमाने, कब तक जोर लगायेगा ।
जग में जयगुरुदेव का झंडा, लहर लहर लहरायेगा ।
चाहे तू कुछ भी कर ले, कभी न झुकने पायेगा ।
झूठ कपट और निन्दा करते, मन में सबके बस जायेगा ।
महिमा होगी जयगुरुदेव की, एक समय अब आयेगा ।
जोति जगत में जग जायेगी, भण्डार ज्ञान का खुल जायेगा।
धरा भूमि पर पाप न होगा, कटना गउओं का बन्द हो जायेगा।
चुनाव कपट सब ही होते, बन्द जगत में हो जायेगा ।
प्रजा दुखी सब रोती जग में, दुख दूर सभी का हो जायेगा।
गर्भपात परिवार नियोजन, बन्द सभी हो जायेंगे ।
नाना भांति सनीमे नंगे, सभी बन्द हो जायेंगे ।

सूखा के कारण अन्न नहीं पैदा होगा
पेड़ों की पत्ती तुम्हें ढूंढ़े न मिलेगी
ट्यूबवेल में पानी नहीं रहेगा
अधिकांश देशों में सूखा पड़ जायेगा
पानी की कमी आने पर बम्बई छोड़कर भाग जायेंगे
भविष्य में नदियां सूख जायेंगी
कुआं भी सूख जायेगा

संत राज - सतयुग साम्राज्य
भविष्य में स्त्रियां जेवर
पहने सड़कों पर घूमती
नजर आयेंगी
हमने भगवान के दरबार
में आप सबकी भलाई
के लिए दरखास्त दे दिया है

ताड़ी मदिरा गांजा पीते, सबका पीना छुट जायेगा ।
मछली अण्डे जो जन खाते, कोई न रहने पायेगा ।
अधिकार वही जन पायेंगे, जो शाकाहारी हो जायेंगे ।
जो जो रिश्वत लेंगे जन, कभी नौकरी नहीं पायेंगे ।
तोड़ फोड़ हड़ताले करते, सभी बन्द हो जायेंगे ॥
सत्य अहिंसा सबमें आये, धर्म सभी में आयेगा ।
अज्ञान भ्रम सब मिट जायेगा, मानव धर्म एक रह जायेगा।
घर में ताले कोई न लावे, चोरी सब मिट जायेगी ॥
लालच देकर रुपया देते, मतदान न लेने पायेंगे ।
खाते पीते मांस शराबें, कभी नौकरी नहीं पायेंगे ।
सत्संग करो प्रभु को भज लो, यह समय न तुम पाओगे॥
हत्या हिंसा जो भी करोगे, करनी का फल पाओगे ।
निकट में आओ सुन लो बातें, प्रभु का भेद तुम पाओगे।
मानुष जीवन पाया दुर्लभ, फेर न तुम पाओगे ।
सुरत शब्द की कुछ करो कमाई, घर अपने तुम पाओगे॥
मरन जन्म चौरासी छूटे, सब बंधन कट जायेंगे ।
सन्त शरण की ओट में आओ, व्याधि सभी कट जायेंगे।
जयगुरुदेव को भज लो प्यारे, प्रभु पास हो जाओगे ॥

मेरा सनातन धर्म

हमारी आध्यात्मिकता पराविद्या है। मैं सनातन धर्म का विश्वास करता हूं। खुदा और परमात्मा में कोई अन्तर नहीं है। सारे मनुष्य जाति का एक आनन्द है, एक पृथ्वी है एक प्रकाश है। फिर क्यों मेरा-तेरा विवाद बड़ा हो गया

आप पाप न करें, धर्म पर आ जावें। पापों का घड़ा फूटेगा। ~13.11.1971

मनुष्य शरीर किराये का मकान

आप सोचते हैं कि मैं मालपुआ चाभता हूं। मैं मालपुआ चाभता तो इतनी मेहनत मैं नहीं करता। केवल एक टिक्कर थोड़ी दाल और सब्जी खाता हूं। आठ घन्टे लगातार इसी तरह बोलता हूं। आज मैंने अभी तक खाना नहीं खाया। एक घन्टे सोता हूं, दिन रात परिश्रम करता हूं और चाहता हूं कि आप की बीमारियां दूर हो जायें, सबमें सेवायें, एकता की भावना आप लोगों में आ जाये। जो विवाद करते हैं वे आप बुद्धि वाले हैं। वे अपना-अपना स्वार्थ रखते हैं। विवाद न करो। मनुष्य शरीर अनमोल है। यह बार-बार नहीं मिलता। थोड़े दिन के लिये किराये पर मिला है। मकान मालिक इस किराये के मकान को निर्धारित समय पर ले लेगा और जीवात्मा को इससे अलग कर देगा तो हमारा शरीर जला दिया जायेगा, दफन किया जायेगा। उनके साथ विद्या, भाषा, स्त्री, पुत्र, धन दौलत कोई नहीं जायेगा। यह तो मुसाफिर खाना हैं यहां किसी को नहीं रहना है। सबको एक दिन जाना है। जीवात्मा का तुम्हारे कर्म के अनुसार हिसाब होगा। यमराज मजिस्ट्रेट तुम्हारे खाते में अच्छा बुरा सब देखेगा। जब तुम्हारे खाते में अच्छा नहीं निकलेगा तो तुम्हें पाप के लिये दण्ड देगा। उस समय तुम्हारी क्या दशा होगी ? वह यमदूत से कहेगा कि करोड़ों वर्ष तक नर्क में ले जाओ। वह कहेगा कि इन्हें मैंने मनुष्य शरीर दिया किन्तु इन्होंने उस शरीर को खाने पीने में ही बिता दिया। भगवान की खोज नहीं किया।

तुम मन्दिर मस्जिद में जाओ पर जो जैसा कार्य करोगे वैसा फल पाओगे। मनुष्यों को क्या क्या सजा मिलती है, यह हमारी किताबों में लिखा

है। चार खानें चौरासी लक्ष्य योनियां हैं जिसमें जीव विचारा भटकता है। लेकिन तुमने कुछ विचार नहीं किया कि खराब काम करने से कितनी सजा भुगतनी पड़ेगी।

प्रेम मुहब्बत बहुत बड़ी चीज है। इसे सब भूल गये। प्रेम किताबों में नहीं, तिजोरियों में नहीं। यह तो महात्माओं के पास मिलेगा। अगर महात्मा के पास नहीं जाओगे तो कैसे पाओगे ? प्रेम का खजाना सबसे बड़ा है इस मृत्यलोक में। मैं सोचता हूं कि कैसे लोग इसे पायें। मैं सोचता हूं कैसे लोग इन दुराचारों, रिश्वतों से छुटकारा पायें। आत्माओं का उत्थान करना है। इसलिए आपको यह सन्देश सुनाने आया हूं।

जब जब जगत में उदारता की हानि, समाज सुधार की हानि होती है तब तब कोई परिवर्तन इस सृष्टि में होता है। ~13.11.1971

जयगुरुदेव नाम

मैं जयगुरुदेव नाम का प्रचार करता हूं। जयगुरुदेव उस परमात्मा का नाम है जो आकाश के ऊपर रहता है। तुम इस नाम की खूब परीक्षा कर लो तब मानो। जब कोई बीमार हो जाये, अधिक बीमारी में वह बेहोश हो जाये तो उसके कान में कहना भाई जयगुरुदेव बोलो, अगर वह आंखे खोल दे तो उसी दिन से मांस, मछली, अण्डा, शराब आदि अनैतिक कार्यो को छोड़ दो। पहले मुनाफा फिर नुकसान।

अब सब लोग बोलो जयगुरुदेव... ~13.11.1971

आगे पाकिस्तान नहीं रहेगा

मैं कट्टर हिन्दू हूं मेरे जैसे आप नहीं। मैं हिंसा नहीं करता, मैं बीड़ी सिगरेट नहीं पीता, मैं तोड़फोड़, आंदोलन, हड़ताल नहीं करता। मैं अन्य कोई अनैतिक

कार्य नहीं करता। आप दिन भर झूठ बोलते हैं यदि जो मैं काम नहीं करता उसे आप छोड़ दें। मुसलमान भाइयों मैं मुसलमान बन सकता हूं। आप पाकिस्तान का ख्वाब न देखें। आगे पूरब और पश्चिम का पाकिस्तान खत्म होगा।भारत पर कोई कब्जा नहीं कर सकता, उन महान शक्तियों के आविर्भाव के कारण आगे सुरक्षा परिषद भारत में आयेगी। भारत की महान शक्तियों की सुरक्षा में सारे देश का शासन होगा। ~11.11.1971

यह बाबा नकल नहीं करेगा

यह बाबा नकल नहीं करेगा। असली आदमी अपने रास्ते का, ध्येय का अपनी आध्यात्मिकता का पक्का होता है, मैंने अपना उद्देश्य सामने रक्खा तुम सामने आ जाओ। मेरी बातों पर विचार करो। हमारे कर्मो का घड़ा फूटने वाला है। उसकी तकलीफ से हमे घुट घुट कर मरना है। एक दिन आप को नाक से भोजन करना होगा, तब बाबा जी की बात धर्म की कर्म की, सदाचार की, महात्मा की, ईश्वर की, याद आयेगी अब पछताये होता क्या जब चिड़िया चुग गई खेत। बाद में पछताने से क्या होगा ? ~11.11.1971

आगे सावधान

आप सभी अभी से अपना सुधार कर लें वरना आगे मार खाने को भी तैयार हो जायें, भविष्य में इतन बड़ा सूखा पड़ेगा कि लोग अन्न और पानी के बिना बेमौत मरेंगे। बिजली उत्पादक यन्त्र (जेनरेटर) बन्द हो जाने पर बड़े बड़े मील और कारखाने अधिकांश संख्या में बन्द पड़ जायेंगे। आप सभी को यह भी घन्टा, डेढ़ घन्टा पानी तब नहीं मिलेगा और बम्बई छोड़कर भगदड़ मचेगी। वर्षा इतना काफी होगा कि आप पानी से परेशान हो जायेंगे। बड़ी बड़ी इमारतें ध्वस्त हो जायेंगी। बिजली संचार व्यवस्था बन्द पड़ जायेगी।

गुरुदेव
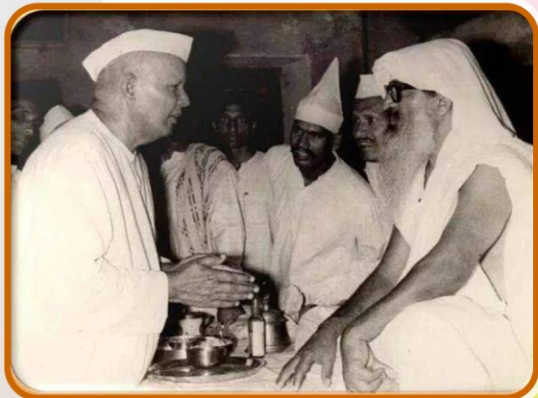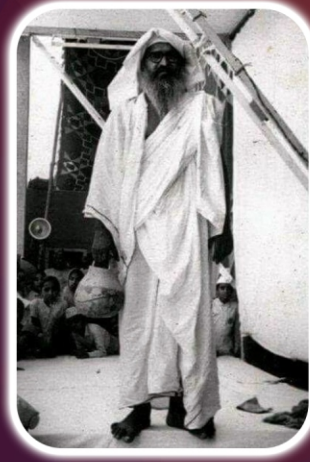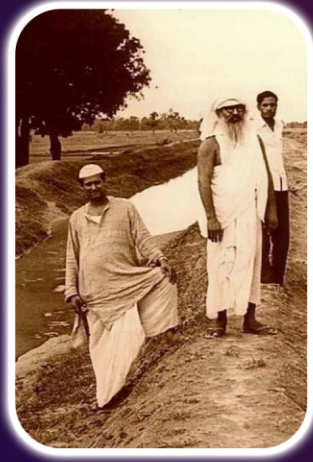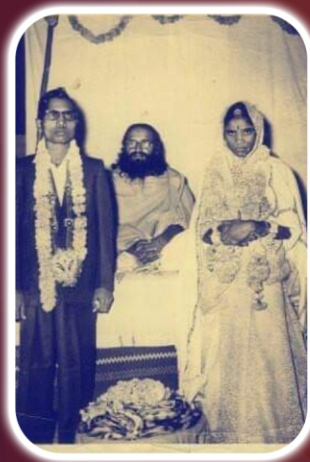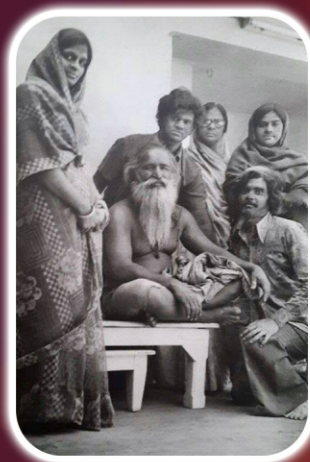
हर हालत में आपको तकलीफ उठाना होगा अभी आप जो चाहें कर लें। जो कुछ भी आप के सामने अभी हो रहा है यह सब भी गणेशाय नमः है। इसका विराट रूप आगे चल के देखने को मिलेगा। ~19.05.1972

सन 70 से 80 तक कचूमर निकल जायेगी

आप की गरीबी कोई भी माई का लाल सन 80 तक दूर नहीं कर सकता है। आप इस बात को अच्छी प्रकार नोट कर लें। गरीबी हटाने की बात तो दूर रहा आप को इतना गरीब बना दिया जायेगा कि आप बन्दर की तरह नाचेंगे। सेठ साहुकारों में भारी परिवर्तन होगा। सभी के मुंह से हाय हाय ही सुनाई देगा। अब और भी टैक्स आप को देने होंगे। बस इतना ही समझ लें कि 'दिन दूनी रात चौगुनी'। आप तो अपनी बुद्धि गिरवी रख चुके है। गरीबी हटाने की बात तो आसमान को जमीन पर लाने जैसी बात है। आप कर्म-धर्म से ठीक हो जायें, आत्मा की याद में लग जायें तो वह परमात्मा आप की गरीबी दूर कर सकता है।

भारत और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पुनः युद्ध होगा और कुछ अधिक दिनों तक होगा जिसके परिणाम स्वरूप पाकिस्तान खत्म हो जायेगा। बंगलादेश में एक बवाल उठ खड़ा होगा और पुनः बंगलादेश खत्म होकर भारत में मिल जायेगा। लंका, वर्मा, भूटान, नेपाल और तिब्बत आदि छोटे छोटे राज्य भारत में मिल जायेंगे। राजनीतिक और प्राकृतिक रूप से विश्वव्यापी परिवर्तन होगा सारा संसार विकल हो जायेगा। ~19.05.72

महान आत्मा का जन्म हो चुका है

रामावतार के 1000 वर्ष पहले बाल्मीकि ने कहा था कि एक महान आत्मा का जन्म होगा सारी लीलाओं का वर्णन भी किये थे मैं भी आज कह रहा हूं

कि उस महान आत्मा का जन्म उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गाँव में हो चुका है। उसका पूरा परिवार ऊपर से उतारा गया है। महान आत्मा की आयु 30 वर्ष के ऊपर है और सभी की 20 से 30 वर्ष के मध्य है। 72 के बाद सभी संगठित होना शुरू हो जायेंगी। इन महान आत्माओं के सामने संसार की सारी अणु शक्तियां नाकाम हो जायेंगी। यदि सारा संसार मिलकर भी भारत पर आक्रमण करे तो भी अब जीत नहीं सकता है। इतना अवश्य होगा कि यहां भी लोग कर्मानुसार बहुतायत संख्या में मरेंगे। फेंके गये 65 प्रतिशत बमों को उतार कर जमीन पर रख दिया जायेगा। रोग से दुराचारियों का सफाया हो जायेगा।

~19.05.1972

राजनीति वेश्या है

आप सभी ध्यान से समझ लें कि राजनीति ठीक वैसी ही है जैसे वेश्या। वेश्या का प्यार अपने प्रेमी से नहीं होता, यदि होता भी है तो सिर्फ पैसों के भाव तक, बाद में वह वेश्या किस प्रकार से पेश आती है यह आप सभी को मालूम है। वेश्या का प्यार पैसे से होता है। उसी प्रकार राजनीति भी वेश्या है। हाय धुन पैसा, हाय धुन पैसा बस यही रट लगी रहती है। जितना हो सकेगा उतना पैसा आप से खींच लेंगे और बाद में आप पागल बनकर घूमेंगे। आप को कोई न पूछेगा। राजनीतिक सम्बन्ध सिर्फ पैसे तक ही सीमित रह गया है। धर्मनीति और कर्मनीति समाप्त हो गयी है। यदि आप अपना कर्म, धर्म बचाना चाहते हैं तो राजनीति में भाग न लें।

एक एक वोट देने वालों को 100 गायों की हत्या का पाप लदा हुआ है। पहले आप उन पापों से तो छुटकारा पा लें पीछे कुछ करना। अभी समय है आप खूब अच्छी तरह सोच लें। जिनको जिनको वोट दिया है उनके द्वारा

किये गये कर्मों का पाप तुम्हें भी भोगना है इसलिए अभी से होशियार हो जाओ। ~20.05.1972

भविष्य में एक धार्मिक संस्था काम करेगी

एक समय आप सभी को यह भी देखने को मिलेगा कि भविष्य में ये सभी राजनीतिक संस्थायें समाप्त हो जायेंगी। देश का भार उठाने के लिए एक महान धार्मिक संस्था आगे आयेगी। उस समय का प्रजातन्त्र कुछ और ही तरीके का होगा। आज के प्रजातन्त्र का पूरा नक्शा बदल जायेगा। 1976 तक सत्ता कांग्रेस समाप्त हो जायेगी। 1980 तक कोई भी वादे पूरा न हो सकेंगे। तब आप की क्या दशा होगी अभी से सोच लें। मेरी तो यह प्रार्थना है कि आप सभी सद्मार्ग को अभी से अपना लें। पीछे यह कहने को शेष न रह जाये कि ''हाय हुसैन हम न हुए होते''। गऊओं का काटना बन्द करवा दिये होते और परिवार नियोजन, गर्भपात बन्द करवा दिये होते। आपके ही सभी बातों का सत्य प्रमाण पेश किया जायेगा। ~20.05.1972

भविष्य में बकरी काटने वाले का हाथ पांव काट लिया जायेगा

यह बाबा जो कुछ इस मंच पर बैठ कर बोलेगा वह सब सत्य होगा। इसमें दो राय नहीं है, यह मेरा न्याय (जजमेन्ट) है। कोई भी बात ऐसी नहीं जो कि सत्य न हो सिर्फ समय की प्रतीक्षा करें। आगे आप को ऐसा देखने को मिलेगा कि गाय काटने वालों की बात तो दूर रही यदि किसी ने बकरी काटने की बात भी कही तो उसके हाथ और पांव काट लिए जायेंगे। अण्डा और मांस मछली बेचता हुआ जो भी दिखायी पड़ेगा उसे कड़ी सजा भोगनी पड़ेगी। शराब, ताड़ी आदि की दूकानें नजर नहीं आयेंगी। जन जन में प्रेम होगा। समाज में सभी का आदर सत्कार होगा। मुसलमान मुसलमान आपस में लड़

कर समाप्त हो जायेंगे। पूरा विश्व हिन्दू धर्म को अपना लेगा। राष्ट्र भाषा हिन्दी और संस्कृत होगी। भविष्य में दिल्ली से राजधानी हटाकर किसी अन्य धार्मिक स्थान पर राजधानी बनेगी। सभी पदाधिकारी, शाकाहारी सदाचारी निरामिष और मद्यपान रहित होंगे। भीख मांगता हुआ कोई नजर न आयेगा। सभी सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। लेकिन 72 से 80 तक तो कचूमर निकल जायेगी। जो लोग जिन्दा रहेंगे वे देखेंगे कि भविष्य में क्या होगा। 1981 से 2000 तक के बीच के समय की बात तो बाद में बताऊंगा। ~20.05.1972

अवतार हो चुका है

हमारे स्वामी जी बराबर बता रहे हैं कि विश्व को सुधारने वाली शक्ति का अवतार हो चुका है। उस अवतारी शक्ति का आयु 30 वर्ष से ऊपर है।

इस संसार में अवतार दो प्रकार के होते हैं। पहला निमित्त अवतार जो किसी लक्ष्य के लिए होता है अर्थात् धर्म की स्थापना तथा अधर्म के विनाश के लिए। जैसे त्रेता में राम आये और द्वापर में कृष्ण आये। ये अवतार जीवों को मुक्ति या मोक्ष नहीं देते बल्कि कहते हैं कि

काल रूप मैं तिन्हकर भ्राता। शुभ अरु अशुभ कर्म फल दाता॥

ये दया या क्षमा नहीं करते, कर्म का फल शुभ अथवा अशुभ देते हैं। ऐसे अवतार कभी कभी आते हैं। राम और कृष्ण ने अधर्म करने वालों को स्वयं मारा अतः कलंकी अवतार कहे गये। अब कलियुग में हर जगह हर देश में ही पापाचार और अनाचार हो रहे हैं। अतः एक दो को नहीं मारना है। समष्टि रूप से कार्य करना है । अतः सहायक अन्य शक्तियां जिनकी आयु 20 और 30 वर्ष के भीतर है वो ऐसा करेंगी कि अधर्म का विनाश होगा परन्तु प्रत्यक्ष में कोई बध नहीं होगा। इसी से कलियुग के अवतार को

निष्कलंकी अवतार कहा गया है।

दूसरे प्रकार के अवतार नित्त अवतार होते हैं। इन्हें सन्त जन कहते हैं ये सदा इस संसार में रहते हैं। ये जीवों से प्यार करा कर के निज घर में पहुंचा देते हैं। जैसे कबीर, रैदास, गोस्वामी जी, नानक जी आदि। ये दया के सागर होते हैं। क्षमा करते हैं और सन्मार्ग में लगा देते हैं। ऐसे सन्त ही दया कर के समय से चेतावनी देते हैं कि अपने अपने धर्म पर सभी लोग आ जायें, शाकाहार और सदाचार को अपना लें नहीं तो काल शक्ति जब काम शुरू करेगी और आप धर्म पर आये न होंगे तो वह फल देगी ही, तब क्षमा मांगने से भी न मिलेगी। अभी समय है चेत जायें मांस, मछली, अण्डे खाना शराब पीना छोड़ दें।

~जून, 1972

परिवार नियोजन से चारित्रिक पतन

विदेशी देश भारत की जनसंख्या बढ़ने ही नहीं देना चाहते इसलिए उनकी राय पर गर्भपात लागू किया। बसों मकान, आदि स्थानों पर परिवार नियोजन की जो चीजें लिखी हैं। वह शर्मनाक हैं। ऐसे ऐसे बोर्ड लगाकर आप बच्चे बच्चियों को गलत उत्साहित करते हैं। यदि आप परिवार नियोजन लागू करेंगे तो एक एक स्त्री के पेट में दस-दस बच्चे होंगे। पत्नी या पति मे से कोई कुछ कराले और बच्चा हो तो सारे जीवन कहते रहते हैं कि तुम बदमास हो। ऐसे लोगों को चुल्लू भर पानी में मर जाना चाहिये। परिवार नियोजन पर पाँच वर्षो में दस अरब रुपया गरीब मजदूरों का खर्च होता है। मान लो कि परिवार नियोजन बारह वर्ष से लागू किया गया तो 24 अरब रुपया लगा। आगे परिवार नियोजन बन्द कर दिया जायेगा। गाय काटना बन्द कर दिया जायेगा। स्वामी जी ने कहा कि जो लोग चाहते हैं कि गाय

काटना परिवार नियोजन बन्द हो जाय वे लोग हाथ उठावें। सबने हाथ उठाया । स्वामी जी ने कहा कि आपने हाथ किधर उठाया ? भगवान की तरफ ! वह आसमान के ऊपर रहता है। तुम्हारी अन्दर की आंख खुले तो उसे देखो। अर्जुन को कृष्ण ने दिव्य दृष्टि दिया तो अर्जुन ने वैराट सृष्टि को देखा । अर्जुन ने घबड़ाकर कहा कि हमें अब अपना मनुष्य रूप दिखाइये। तुमने ऊपर हाथ उठाया। भगवान किससे काम करायेगा महान शक्तियों से। ~19.11.1971

स्वामी जी की कलम से

हम गरीबों के लिए दर्द किसी को भी नहीं। बंगला देश भड़ भूँजे का भाड़ जो डालो सो खाके शराब पीने वालों के हाथ में देश का शासन। शराबी देश की गरीबी सन 70 से 80 तक दूर नहीं कर सकते। भारतीय विधान में शराब बन्द फिर शराब क्यों पीते पिलाते हैं।

प्रधान मंत्री ने शिमला शिखर वार्ता चुप्प चाप्प कर ली। ऐसे ही भारत की गरीबी चुप चाप दूर कर दें और देश में रिश्वत भी बन्द कर दें !

सारे राज्यों में पूर्ण बहुमत के साथ कांग्रेस का शासन, गरीबी दूर करने का पूर्ण वादा विश्वास के साथ कांग्रेस का गरीबी भी चुप चाप दूर कर दें।

जयगुरुदेव बाबा ने धर्म उपदेश के साथ एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि धर्म गृह कार्यो के साथ जुड़ा है जहां चरित्र व कर्म है वही आत्म शुद्ध चिन्तन है। जब गृह, समाज, देश में कलह होती है तो शान्ति सबकी भंग हो जाती है। देश समाज घर का संकट बड़ा दुखदाई होता है। भारत के प्रतिष्ठित जुम्मेदार प्रधानमंत्री ने 1971 में पूर्ण वादा किया था कि जनता हमारे हाथ मजबूत करे। सभी राज्यों में हमारी सरकारें बना दें। हम दिखा देगें कैसे

गरीबी दूर नहीं होती और सस्ती ला दिखायेंगे, कुछ चन्द अमीर गरीबी दूर नहीं करने देना चाहते हैं।

हम गरीबों के साथ हैं, देसाई नहीं चाहते कि गरीबी दूर हो। इतना बड़ा नुकसान चुनाव में हुआ वह भी जनता पर पड़ा। जनता में आशा कि किरणें फूटी। गरीब जनता ने चाहा कि अब गरीबी दूर होगी सस्ती आयेगी, टैक्स नहीं बढ़ेंगे जो जितना वेतन पाता है उसी में सबका गुजारा होने लगेगा। अब सब सुखी होंगे। लोगों ने रेडियों अखबार सुनें पढ़े, उनके सुनने पढ़ने से जनता में विश्वास आया कि बड़े देश के लोग धोखा नहीं देंगे। हवा फैला लोगों ने अपना मतदान लेकर देकर बुर्का ओढ़कर किसी न किसी से लड़ाई झगड़ा कर 6 करोड़ कांग्रेस को दिया 7 करोड़ 45 लाख सामने वालों को दिया। भारत की कुल आबादी 65 करोड़ की है। प्रजातन्त्र में बालिग वोट डालने का कुल अधिकार 45 करोड़ लोगों का है। सूची जो बनाई वह केवल 27 करोड़ की।

प्रधानमंत्री शिखर वार्ता चुप चाप बिना अखबारों में किससे।

शिमला शिखर वार्ता चुप चाप बिना जनमत के पूछे कर ली।

रायबरेली जिले में जयगुरुदेव बाबा का फिर धर्म उपदेश प्रेमियों के आग्रह पर। 28 अगस्त को लाखों की भीड़। पत्रकार फिर चलें और आंखों देखें।

परिवार नियोजन, गर्भपात निरोधक रबड़ के कारखाने खोलने की देन कांग्रेस को। गाय कटवाना नंगे सिनेमें व शराब पिलाने वाले का श्रेय कांग्रेस को। मांस मुर्गियां मछलियों अण्डे के बाजार लगवाना रिश्वत लेने देने के सट्टे की प्रशंसा कांग्रेस को। जो कार्य भारत में अंग्रजों ने भी नहीं

किया वह इन भारतीय कांग्रेसियों ने कर दिखाया। इतिहास में इन कार्यों का अमर पट्टा कांग्रेस पायेगी।

जयगुरुदेव बाबा ने तारीख 13.8.1972 को बम्बई में अपने प्रेमियों के प्रश्न के उत्तर में दुःखद परिस्थिति का परिचय देते हुये कहा कि भारत के नर नारियों बच्चे बच्चियों का दुर्भाग्य इस राज्य में रहा। आज भारत में कांग्रेस सरकार ने चरित्र गिराने, बुरी आदतें डालने के अनेक अड्डे अथवा उपाय खोल रखे हैं। मैं शहरों ग्रामों के मार्ग पर देख रहा हूं। निरोधक रबड़ के बोर्ड 15 नये पैसे के लगा रखे हैं। बचपन में हर तरह की आदत गिराने के उपायों को बच्चे सीख जाते हैं। जो हाल बच्चे बच्चियों का हो रहा है, वह सबको मालूम है।

परिवार नियोजन, नंगे सिनेमें, शराब, ताड़ी के अड्डे खोलने तमाम बदमाशियों के सिखाने के स्कूल सरकारी खोले गये। यह देन कांग्रेस की रही। देश चरित्रवान कैसे होगा और कैसे खुशहाली आयेगी। तीन अरब प्रति वर्ष रुपया खर्च परिवार नियोजन में किया जाता हो। पांच साल में पन्द्रह अरब रुपया अशोभनीय कार्यों में लगे। क्या भारत की यही शोभा है। भारत की गरीबी कैसे दूर होगी व शान्ति कैसे आयेगी। चरित्र तो भारत में मानव का सर्वोपरि धन रहा।

हर प्रान्तों के अखबारों में अपने अपने प्रान्त के फुटकर वस्तुओं के बराबर भाव दें प्रति किलो के।

अमीर गरीब हमेशा रहेंगे। बुरे व अच्छे कर्मों से अमीर गरीब।

शराबी, कबाबी, रिश्वती, चरित्रहीन अधिकारी नौकरी से निकाल दिये जायेंगे।
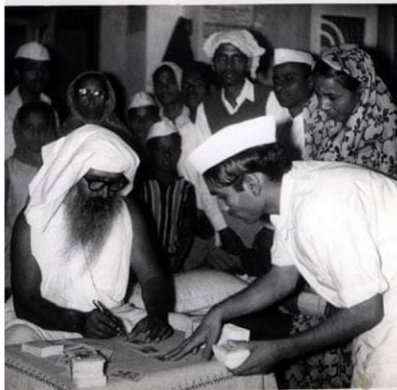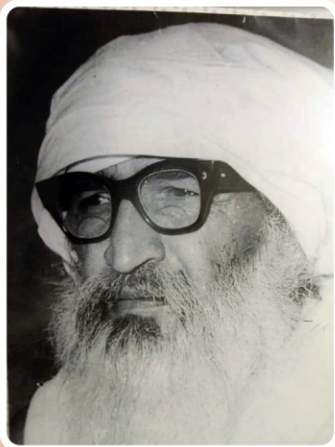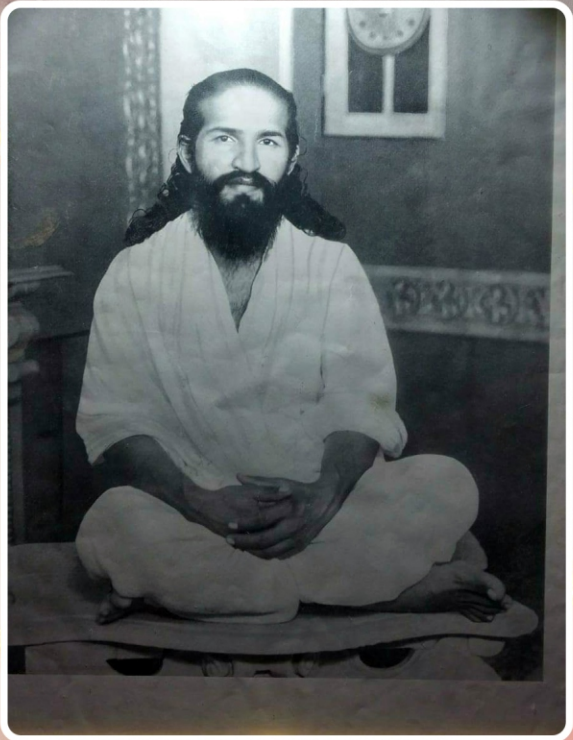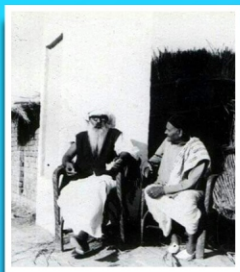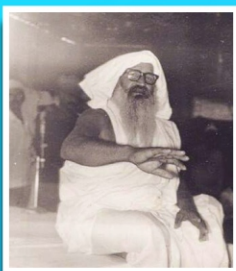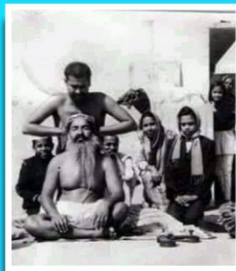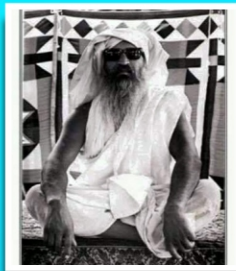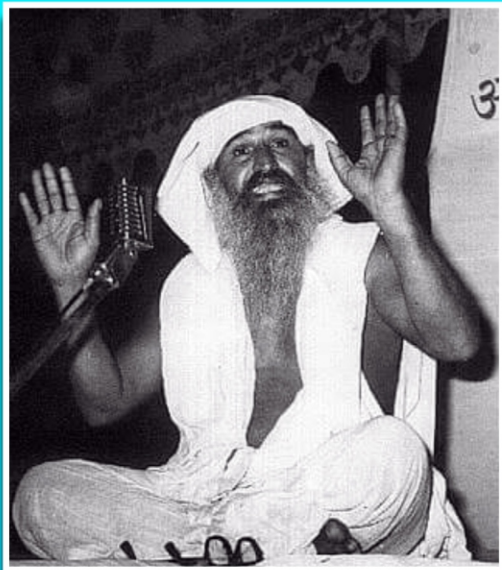
जयगुरुदेव

तलाशी भी उनकी होगी। जनता तभी आराम पायेगी और न्याय होगा।

जयगुरुदेव बाबा की घोषणा। लाखों जनता के सामने बाबा जी ने 20 करोड़ नर नारियों की जन जागरण की बात की। कहा कि अब वह दिन दूर नहीं है। 20 करोड़ का जन जागरण 1972 के अंत समय तक हो जायेगा। पुलिस का वेतन 300 रु0 मंहगााई छोड़ कर होगा, अध्यापकों का वेतन 300 रु0 होगा मजदूरी प्रति दिन कम से कम 8 रु0 होगी। किसानों का कर्ज सरकारी गैर सरकारी खतम कर दिया जायेगा। बंगला देश टैक्स खतम हो जायेगा। भूमि भवन कर नहीं लगेगा। किसानों पर जो दूसरा टैक्स लगा दिया वह हटा दिया जायेगा। शराब मांस खाने पीने वालों को वोट नहीं मिलेगा।

1500 रु0 और 2000 रु0 वेतन पाने वालों का 300 रु0 कम करके पुलिस के जवानों को दे दिया जायेगा जो जिम्मेदार हैं। सारे देश में चीजें सस्ती खुलेआम बजारों में मिलेंगी।

~सितम्बर, 1972

पाकिस्तान कीटाणु बम डालेगा

काल भगवान तुम्हारी जान को छोड़ नहीं सकता। बच्चा तेरा नम्बर आने वाला हैं । अभी तो बंगलादेश की गरीबी दूर हो रही है।दूर होगी या नहीं यह तो वह लोग जानें। तेरी गरीबी दूर होने वाली है नहीं। भविष्य में बंगलादेश में क्रान्ति होगी। बंगलादेश जब खत्म हो जाय तब मान लेना। अबकी लड़ाई में पाकिस्तान कीटाणु बम गिरायेगा। अखबार रेडियो उसके बारे में बाद में बोलेंगे। सभी जानवर पशु पंछी कीड़े मकोड़े जहां तक हवा जायेगी सब मर जायेंगे। पाकिस्तान वालों से कह दिया है कि जब तुम कीटाणु बम गिराओगे तो ऐसा तूफान चलाया जायेगा कि सभी कीटाणु हवा में उड़कर पाकिस्तान

चले जायेंगे और वहीं के लोग मरने लगेंगे।

(तालियों की गड़गड़ाहट हुई) ~06.06.1972, थावे (गोपालगंज)

अवतार हो चुका

वे जब मन से बोलेंगे तो अपने आकर्षण से सभी लोगों को आकर्षित कर लेंगे। आप को नकल करने की जरूरत नहीं है। आगे लोग कहेंगे मैं अवतार हूं। ~06.06.1972, थावे (गोपालगंज)

सारा बोझ किसानों पर

किसानों पर सारे देश के खर्चे का 75 प्रतिशत बोझा है। 25 प्रतिशत मजदूरों और कम वेतन पाने वालों पर है। प्रधानमन्त्री का खर्चा राष्ट्रपति का खर्चा, एम0 एल0 ए0, एम0 पी0 का खर्चा, लड़ाई का नुकसान, आन्दोलन तोड़ फोड़ का नुकसान, चुनाव का खर्च सब कुछ भारत का किसान दिया करता है। तुम जो गुलछर्रा उड़ाते हो वह सब किसानों के कन्धे पर जाता है।

जनमत का युग आ रहा है

अभी देश में क्या गरीबी आयी। असली गरीबी तो बच्चा आगे देखने को मिलेगी। चरित्र, हत्या, कपट, छल, झूठ, शराब मांसाहार अपराध का फल आगे आपके सामने आयेगा। आज हर प्रकार के पतन का नंगा नाच देश में हो रहा है। अखबारों की खबरें 15 आने झूठ होती हैं। चारों ओर झूठ का बाजार लगा है। आज कल के अखबार व्यवसाय बन गये हैं। जन मत की सेवा का कण मात्र भी कहीं नहीं दिखायी देता। अब जनमत का समय आ रहा है। जनमत सदाचार लायेगा। हिन्दी संस्कृत राष्ट्रभाषा कर देगा। गायों का काटना बन्द कर देगा। अब तुमको यह सब बातें देखनी होगी। गांव गांव घर-घर में घूम कर हर आदमी से पूछा जायेगा कि तुम्हारे पास अन्न कपड़ा है या नहीं। ~06.06.1972, थावे (गोपालगंज)
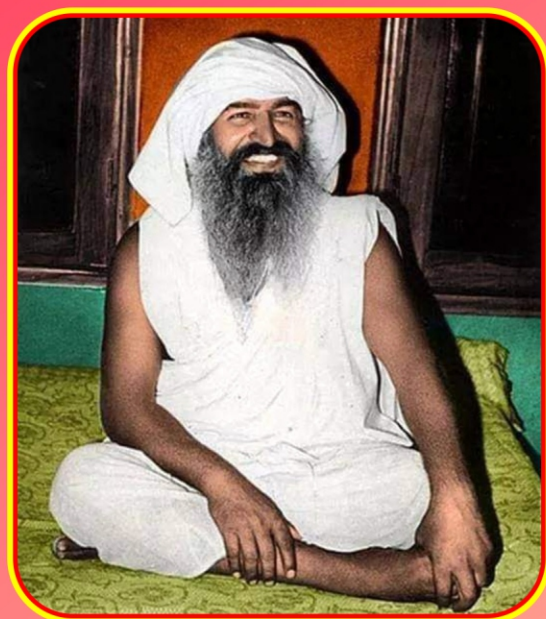
देशी बोतल में अंग्रेजी शराब

आप दूसरों की जमीन और धन लेकर देश की गरीबी दूर नहीं कर सकते। सन 70, 71 व 72 भारत के दुखों का कारण बनेगा। दिल्ली या लखनऊ वाले भारत की गरीबी को दूर नहीं कर सकते। गरीबों की गरीबी दूर करने का आप के पास साधन नहीं है। शासन का केवल ढॉचा बदल गया है नीतियां अंग्रेजों की हैं। देशी बोतल में अंग्रेजी शराब भरी है। लोग प्रजातन्त्र के रुपये को विदेशी बैंकों में करोड़ों की संख्या में जमा किये हैं और चाहते हैं कि यहां कुछ गड़बड़ी हुई तो वहीं रुपये का भोग करेंगे। देश में भारी परिवर्तन होने जा रहा है। आगे ऐसा प्रबन्ध हो जायेगा कि उधर का रुपया उधर ही रह जायेगा। आप कम्बल और बिजली बांट कर भारत की जनता की गरीबी दूर नहीं कर सकते। गरीबी चरित्र और धार्मिक भावना से दूर होगी।

~06.06.1972, थावे (गोपालगंज)

एक छुरी तैयार कर रहे हैं

एक पियक्कड़ होता है तो अपनी स्त्री का जंजीर तोड़ कर ले जाता है और शराब पी डालता है। जब देश मे लाखों पियक्कड़ों का जमघट हो गया तो देश का क्या हाल होगा। अब तो भगवान या महात्मा ही तेरी रक्षा कर सकते हैं अब तो सब पत्थर पर छुरी रगड़ कर तैयार कर रहे हैं। काट काट कर सब माल अपना बना लेना चाहते हैं।

~06.06.1972, थावे (गोपालगंज)

स्वप्न साकार होगा

अभी आप मेरी बातों को न मानें। आप सभी यह न सोंचें कि मैं तो बम्बई की ऊँची ऊँची इमारतों में रहता हूं मेरा कुछ न होगा। जब मेरी बातें सच हो जायें तब आप मान लेना। इस मन्च से बोली गयी प्रत्येक बात सत्य होकर रहेगी।

न होने वाली बातों को यह बाबा नहीं बोलेगा। मेरा जो कुछ भी स्वप्न है वह सत्य होकर रहेगा। मुझे तो मेरे स्वप्न के देवता पर विश्वास है परन्तु आप का विश्वास इस बाबा पर चाहे न हो। मैं आप से जबरदस्ती यह नहीं कहूंगा कि आप मेरी बातों को मान लें परन्तु यह तो अवश्य ही कहूंगा कि यदि मैं अपनी पूरी बातों को आज ही बता दूं तो यही जनता मुझे एक कदम चलने नहीं देगी और सब काम ठप हो जायेगा। इसलिए थोड़ा ही थोड़ा समय समय पर बताता रहूंगा। आज कल मेरी बातों पर लोग सट्टे खेलने लगे हैं। ~14.08.72

भविष्य में भयंकर सूखा

स्वामी जी ने कहा आप सभी नर-नारी ध्यान से सुनें। मैं इस मंच पर बैठकर या खड़े होकर जो बात कहूंगा वह सब सत्य होकर रहेंगी। अभी तो आप मांस मछली अण्डा खाने तथा शराब ताड़ी गांजा भांग पीने में मस्त हैं। आप को क्या पता कि भविष्य में क्या होने वाला है। भविष्य में भयंकर सूखा पड़ेगा देशों और विदेशों, सब देशों में सूखा पड़ेगा। पानी पीने को नहीं मिलेगा। अन्न का दाना खाने को नहीं मिलेगा। विद्युत उत्पादक यन्त्र (जेनरेटर) बन्द हो जायेगा। अन्न और पानी के बिना देशों और विदेशों में करोड़ों लोग बेमौत मरेंगे। उस समय 1 मिनट में भगवान याद आयेगा। अभी से ही उस भगवान की यादगारों में लग जायें तो कुछ रहम हो सकती है, शायद वह परमात्मा दया कर दे। ~14.08.1972, बम्बई

मांसाहार छोड़ना होगा

भविष्य में तालाबों और समुन्द्रों में मछलियां नहीं मिलेंगी। यदि लोग खायेंगे तो भी उन मछलियों में विष होने के कारण लोग मछली खाना छोड़ देंगे, यही हालत बकरे भेंड़ और मुर्गियों आदि का मांस खाने वालों की भी होगी।

नाना प्रकार की महामारियों की बीमारी फैल जायेंगी। आदमी अन्न के बिना मरेंगे तो छोटे - छोटे जानवरों की क्या गिनती। ~14.08.1972, बम्बई

पशुओं को हटा देंगे

पेड़ों पर पत्तियां नहीं रह जायेंगी। गाय बैल भैंस आदि जानवरों को भी खाने को चारा नहीं मिलेगा। सभी अपने- अपने कर्मो का फल पायेंगे। सत्य और अहिंसा तथा प्रेम का लोप हो जाने का ही यह सब परिणाम होगा। कोई बचा नहीं सकेगा हाय-हाय करके लोग पछताते हुए कराह मार-मार कर अपने प्राणों को छोड़ते नजर आयेंगे। ~14.08.1972, बम्बई

लाचार होकर नाम लोगे

परेशानियों के बढ़ जाने पर परमात्मा का नाम लाचार होकर लेना होगा। राम और कृष्ण अपने समय में नही बचा सके तो अब भी कोई नहीं बचा सकेगा। एक ही उस परमात्मा का भरोसा करो और जल्दी से जल्दी सत्यता धारण कर लो, कृष्ण के और अर्जुन के रहते हुए भी गोपिकाओं को भील उठा ले गये। महाभारत के क्षेत्र में 56 करोड़ यदुवंशियों के प्राण गये। शेष की तो बात ही छोड़ दें। समय के पहले सभी ने चेतावनी दी मैं भी आप को वही सन्देश सुना रहा हूं, बाद में यह नहीं कहना कि मुझे कोई बुलाया और बताया नहीं। ~14.08.1972, बम्बई

भविष्य में सभी धार्मिक और राजनैतिक संस्थायें समाप्त हो जायेंगी

स्वामी जी ने मंच पर ललकार कर कहा कि आज जितनी भी धार्मिक पार्टियां हैं जिन्हें सत्य का ज्ञान नहीं है वे सभी भविष्य में समाप्त हो जायेंगी। अपने को भगवान कह कर ख्याति प्राप्त करने वालों का निर्णय हो जायेगा। एक ही शक्ति जो आयी है वह रह जाएगी। साथ ही साथ सभी राजनैतिक

पार्टियां आपस में मिलकर समाप्त हो जायेंगी। एक मानव धर्म की बात सामने आ जायेगी। समय का इन्तजार करें सब कुछ समय में ही हुआ है और अब भी होगा। ~14.08.1972, बम्बई

मजदूरों की बुरी हालत

मजदूर भाई तुम बुरी आदतों में फंस गये हो, ढाई रुपये पाते हो तब भी शराब पीते हो। शराब के नशें में मोरी में गिरकर अपना होश हवास खत्म कर देते हो। आज जीवन की गाड़ी का पहिया करर-करर चलता है। टूटने ही वाला है होश में आओ। सबकी आदतें खराब हो गई सबका चरित्र गिर गया। बम्बई इत्यादि नगरों में एक-एक पूंजी पति कई स्त्री रखते हैं और अपनी स्त्री को छोड़ देते हैं, तुम्हारी गाड़ी के पहिये के टूटने पर उसे बढ़ई नहीं बना सकता। उसे तुम्हारे सम्बन्धी नहीं बना सकते उसे दुनियां के सामान नहीं जोड़ सकते वह पहिया उन महात्माओं द्वारा जुटेगा। ~15.11.1971, कानपुर

आगे के परिवर्तन

थोड़ा समय पार करने के बाद गउओं का काटना बन्द हो जायेगा। मैं जनसंघी नहीं, राम राज्य परिषद वाला नहीं, चीनी, जापानी नहीं, सच्चा राष्ट्र भक्त हूं। एक सौ एक आने राष्ट्रभक्त हूं। चौबीस वर्षो में कुछ नहीं हो सका। आगे प्रेम पैदा करने वाली हिन्दी, संस्कृत हमारी राष्ट्रभाषा हो जायेगी। आगे सबसे नीच काम परिवार नियोजन खत्म हो जायेगा। रावण ऋषियों का खून लेने लगा तो क्या हुआ यह तुम्हारा इतिहास कहता है। पहले बीस-बीस वर्ष के लोगों को मालूम नहीं था कि गृहस्थ आश्रम का क्या अनुभव होता है। आज दस ग्यारह वर्ष के बच्चे-बच्चियों को गृहस्थ आश्रम का पूरा-पूरा अनुभव रहता है। लोगों की तनख्वाहें रोक कर प्रचार किया

जाता हैं। बसों, ट्रेनों पर पोस्टर टांग कर दस अरब रुपये पांच वर्ष में गरीब किसान मजदूरों का खत्म किया जाता है ।फिर भी जनसंख्या का समाधान कुछ भी नहीं। ~15.11.1971, कानपुर

परिवार नियोजन से हानि

इस परिवार नियोजन से माता बेटों का सम्बन्ध बिगड़ गया, भाई बहिनों का सम्बन्ध बिगड़ गया और क्या - क्या हुआ यह कहने की जरूरत नहीं। आगे यह सबसे खराब काम बन्द कर दिया जायेगा। आगे काम वासना जगाने वाले, सबके जीवन को नष्ट करने वाले नग्न सनीमें बन्द कर दिये जायेंगे। चरित्र निर्माण करने वाले कुछ सनीमें रह जायेंगे। ~15.11.1971, कानपुर

देश के किसान दुखी

जिस देश के किसान तड़प जायेंगे और कुछ नया परिवर्तन करना चाहेंगे तो कोई शक्ति उनको रोक नहीं सकती। आगे कर्म , धर्म का व्यापक प्रचार होगा। रिश्वत, चोरी और बेईमानी बन्द हो जायेगी। मुर्गीपालन, मच्छ पालन, कच्छ पालन, सुअर पालन इत्यादि बन्द हो जायेंगे। कोई मछली नदियों के किनारे या तालाबों में नजर नहीं आयेगा। समय से चार महीने बरसात होगी, चार महीने जाड़ा होगी और चार महीने गर्मी होगी। किन्तु बीच का समय बहुत खराब है। इसी में तुम्हारे बुरे आचरण के अनुसार बहुत बड़ा सूखा पड़ेगा यदि तुम सूखे के कष्टों से बचना चाहते हो तो मांस, मछली, शराब, अण्डा, रिश्वत, चोरी, व्यभिचार, तोड़ फोड़ आन्दोलन छोड़ दो।

सन 1973 लगते ही

सन 1973 लगते ही भारत के लोगों में एक नई लहर आयेगी। मैं इतने पहले से सन 1972 की याद दिलाता रहा तो इसमें कोई न कोई बात जरूर है। मैंने

सन 1954 मे भी सन 1972 की याद दिलायी। फिर सन 1960 में, सन 1968 में और आज भी।

सन 1972 के लिए मैं कहता रहा हूं। अब यह सन 1972 आ गया है और लगभग खतम होने को है। तुम देख लो। सन 1970, 71 , 72 दुखदाई कारण बन रहा है तथा सुख और शान्ति का भी कारण बन रहा है।

किसी की नकल नहीं करते

हम नकल नहीं करते। किसी की नकल नहीं। हमारी नकल बहुत लोग करेंगे मगर हमारी जो नकल करेंगे उनका सिर अपने आप कूंटा जायेगा इसलिए आप अपना काम अपने साथ करेंगे।

अवतार हो चुका है

मैंने सन 70 में जोरों से कहा कि महात्मा का अवतार हो चुका है। अमर सन्देश में भी छप चुका है। मगर लोग अपने से ही अपने को अवतार कहने लगे। बहुत से लोग भविष्यवाणी भी करने लगे। मेरे पास भी कई पत्र आये कि मुझे अवतार मान लें। जो अवतार होगा उसका कार्य ही बता देगा कि वह महान आत्मा है। अवतार है। उसको दूसरों के मान्यता की अपेक्षा नहीं होगी।

मांस में ताकत नहीं है

गाय, भैंस, बकरी पानी खींचकर पीने वाले जानवर मांस नहीं खाते, चाटकर पानी पीने वाले जानवर मांस खाते हैं। मनुष्य, बुद्धि वाला, खींच कर पानी पीने वाला जीव है। आत्माओं के कल्याण के लिये मनुष्य शरीर मिला। अब हम कहते हैं कि मांस, अण्डा नहीं मिलता तो ताकत नहीं आती। हम शराब ताड़ी में ताकत मानते हैं। मुर्गे की टांग में ताकत ढूंढते हैं इनके सेवन से खून में गर्मी आ जाती है। इन्द्रियां चलायमान हो जाती हैं। मन विषय
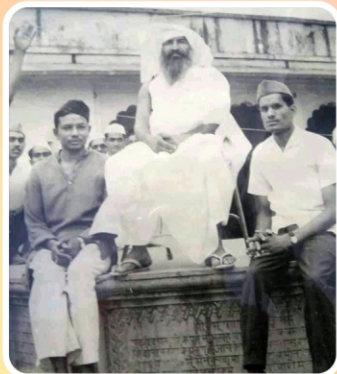
जयगुरुदेव नाम प्रभु का
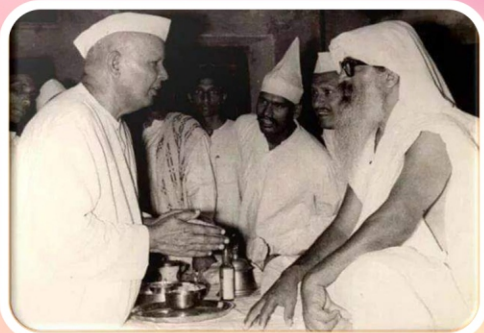
भोगों में लीन हो जाता हैं। शरीर शक्ति क्षीण हो जाती है भगवान को याद करोगे कैसे ? खाद्य वस्तुओं के सेवन से चंचलता आ गई। मन विषयों की ओर उन्मुख हो गया। बुद्धि की समझ समाप्त हो गई। सत-असत का विवेक न रहा तो फिर भगवान की याद कैसे हो ? आत्म कल्याण, प्रेम, भक्ति जब आयेगी जब महात्माओं के पास पहुंचेंगे।

पाप का घड़ा फूटने वाला है

तुम्हारे पाप का घड़ा भर गया है। फूटने ही वाला है। बहुत बड़ा नर संहार होगा। पहला नर संहार पूरब में, दूसरा पश्चिम में, तीसरा उत्तर में, चौथा दक्षिण में और फिर चोगड्डी कबड्डी होगी। हमको लखनऊ दिल्ली का कोई आदमी नहीं रोक सकता। जब यह सब होगा तो लखनऊ दिल्ली वाले कहेंगे कि यह प्रकृति की मार है हम क्या करें ? यदि प्रकृति के अनुसार चलो तो चार महीनें जाड़ा, चार महीनें गर्मी और चार महीनें बरसात हो। अभी गब गब भोजन करते हो आगे नाक से भोजन करना होगा। सोचोगे कि कोई थोड़ा भोजन दे देता तो उसे नाक से ही सूंघ लेते। आगे आपका गला रुंध जायेगा। अभी मुंह में गप गप अण्डा, घोड़ा आदि खा जाते हो आगे प्रकृति नाक से चना चबवायेगी।

~20.11.1971

बाबा बोलता रहेगा

आज बच्चे बच्चियों को सुरक्षित कोई नहीं रख सकता। अब कोई अपनी लड़की को भी आंगन में सुला नहीं सकता। ये सब चीजें कब रूकेंगी। कोई उपाय बताया जाय तो भी कोई सुनने वाला नहीं। कोई कहे भी तो सुने कौन ? नक्कार खाने में तूतों का आवाज कैसे सुनाई पड़े ? मैं मध्य प्रदेश में गया था एक किसान बोला कि नेता लोग अपनी गरीबी तो पहले दूर कर लें

अपना पेट तो पहले भर लें। हमारे गरीबी को भगवान दूर करेगा। सबसे जुम्मेदार किसान मजदूर के बेटे सिपाहियों को आज पर्याप्त वेतन नहीं मिलता जिससे वे अपना गुजारा कर सकें। जब उनको खाने को नहीं मिलेगा तो तुम्हारी सुरक्षा खाक करेंगे। आगे उनकी तनख्वाह 300 रु0 हो जायेगी। आपको तो दो – दो लाख रुपये चाहिये। बड़ी बड़ी कोठियां चाहिये, गरीबी कैसे दूर होगी तुम अपनी तनख्वाह से 100 रुपया क्यों नहीं कटवा देते और गरीब किसान मजदूर के बेटे सिपाहियों को पर्याप्त वेतन दिलाते जिन पर राष्ट्रपति की घटना से लेकर छोटी छोटी घटना का पूरा भार है। आगे मजदूरी आठ रुपया हो जायेगी। दो रुपये में मजदूर खाना खा लेगा और छः रुपया बचाकर रक्खेगा। उस समय कोई मांस, मछली, शराब न खायेगा न पियेगा। जल्दी से अपना काम करके बचे समय में भगवान की याद करेगा। आगे किसान मजदूरों का सारा कर्जा दो किश्तों में माफ कर दिया जायेगा। किसानों के एक बीघे खेत में सौ मन गेहूँ पैदा होगा। ~20.11.1971

मैं भारत देश का वृद्ध सफेद बाल वाला किसान हूं, भक्त हूं ।

यहां एक लाख से ऊपर उपस्थित जन समाज को बाबा जी ने घोषित किया कि मैं भारत देश का 101 प्रतिशत भक्त हूं और शत प्रतिशत समाजसेवी हूं। यहां की जलवायु व और सबसे मुझे बड़ा प्रेम है। संतों की इस पवित्र भूमि के कणों से पवित्र इस भूमि में जन्म लेकर अपने आप को धन्य समझता हूं। विदेशी शराब मांस से मैं इसी कारण बचा।

बाबा जी ने आगे कहा कि मैं वृद्ध सफेद बाल वाला किसान जरूर हूं पर 12 घंटे इसी प्रकार बोलता रहता हूं जबकि आपको 10 मिनट में पानी चाहिए आपका फेफड़ा शरीर सब गल गया। आप अपनी सेवा तो कर नहीं

सकते तो समाज की क्या सेवा करेंगे। ~26.07.1972, गोरखपुर

मैं जय गुरुदेव नाम का प्रचार करता हूं

अपना परिचय देते हुए स्वामी जी ने कहा कि मैं साढ़े तीन हाथ का एक आदमी हूं। मैं जयगुरुदेव नाम का प्रचार करता हूं । मेरा नाम तुलसीदास है। मैं भी आपकी तरह माताओं के गर्भ से पैदा हुआ। मैं जयगुरुदेव नहीं हूं। जयगुरुदेव परमपिता आदि पुरुष परमेश्वर हैं। हनुमान चालीसा में भी आया है ''जय जय जय हनुमान गोसाई, कृपा करहु गुरुदेव की नाई'' मैं कोई नया धर्म नहीं चला रहा हूं। मैं सनातन धर्म का प्रचार करता हूं। यह अनमोल मनुष्य शरीर किराए का मकान है जो ईश्वर प्राप्ति के लिए मिला है शरीर रहते किसी ऐसे को अपना साथ बना लो जो जीवन काल में और शरीर छूटने पर आपकी रक्षा करें। संत महात्मा ही आपकी रक्षा कर सकते हैं।

साधु की परिभाषा देते हुए स्वामी जी ने कहा कि साधु मांस, मछली, मुर्गा, अंडे, शराब, ताड़ी, गांजा, भांग, अफीम, चरस से दूर रहता है। उसने अपनी इंद्रियों और मन को साध रखा है। वह काम क्रोध लोभ मोह अहंकार में नहीं बर्तता है। उसमें दया प्रेम अनुशासन सेवा क्षमा का पूर्ण अतिरेक होता है। आत्मा को जगा कर जिसने परमात्मा को पा लिया वही साधु है। आपने ऐसे साधु को तो साथी बनाया नहीं, '' अंधा गुरु बहरा चेला, होय नरक में ठेलम ठेला। '' ~23 अक्टूबर 1972, चकिया बस्ती

स्वामी जी महाराज के मुखारविंद से अमृतवाणी

देश को यदि शक्तिशाली, सुखमय शांतिमय बनाना है तो हमारी सरकार को यह करना चाहिए कि स्कूल में वही मास्टर हो जो हिंसक न हो, शराबी और मांसाहारी न हो।

बच्चों को प्रारंभ से धर्म की शिक्षा दें। भाषा कोई हो परंतु अपने देश के अनुसार शिक्षा बच्चों को दी जाए। स्कूलों के गेट पर यह लिखना जरूरी है कि मांस अंडा खाना बुरा है और जीव हिंसा पाप है।

बच्चों का स्वभाव बचपन में बदला जाना चाहिए क्योंकि हमारा देश कर्म क्षेत्र है और धार्मिक है। भारत देश ही पहले शक्तिशाली था और आगे भी बनेगा। अच्छी संगत का अच्छा असर और बुरी सोहबत का बुरा असर होता है।

~4 नवंबर 1972

क्या शराब पिलाकर भारत को विश्व का अगुआ बनाएंगे?

जब देश की बागडोर धार्मिक नैतिक सच्चरित्र लोगों के हाथ में जाएगी तो शाकाहारी सदाचारी होंगे तब देश चमकेगा। आज शराब की नई-नई दुकानें शहरों और गांवों में खोलने की होड़ है। गाय, बकरी, भैंस के मांस का ठेका हो रहा है। इन से लाखों रुपए की आमदनी की जाती है। क्या इस रुपए से देश की गरीबी मिटेगी और चरित्रों का उत्थान होगा। विचार करें ऋषि महर्षि तिलक गोखले गांधी की आत्माएं क्या कहती होंगी? गांधी के देश, गांधी के मद्य निषेध के सपनों को मिटा डाला।

विभिन्न प्रांतों में मद्य निषेध की समाप्ति हो रही है। अब लोग खुलेआम शराब बनाकर पी सकेंगे। क्या चरित्र रह जाएगा क्या नैतिकता रह जाएगी ? क्या ऐसा भारत ही विश्व का अगुआ होगा ? महात्माओं के बार-बार आवाज उठाने पर देश के बड़े लोगों ने शायद यह सोचना शुरू किया है कि विभिन्न प्रांतों के लोग मद्य निषेध का कड़ाई से पालन करें।

लगता है कि बड़े लोगों को मद्य निषेध की बातें अंतरात्मा से नहीं निकल रही हैं। अगर आप सचमुच मद्य निषेध चाहते हैं तो प्रांतों में और

JAIGURUDEV NAM PRABHU KA
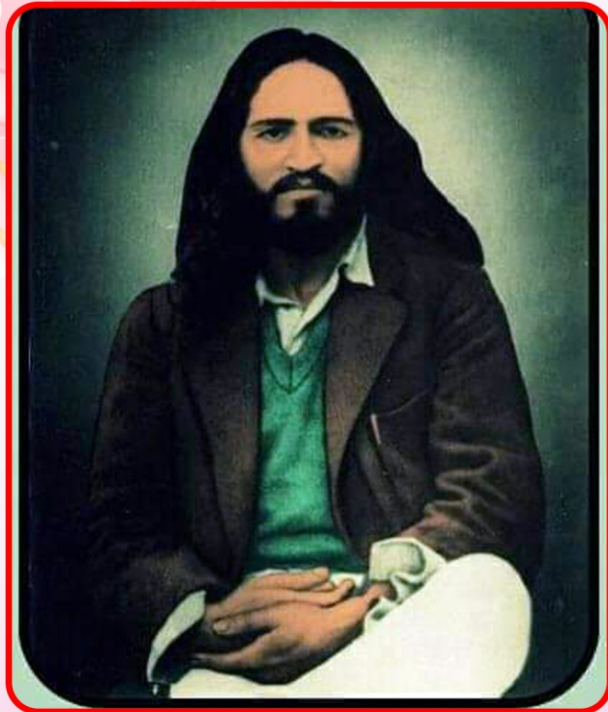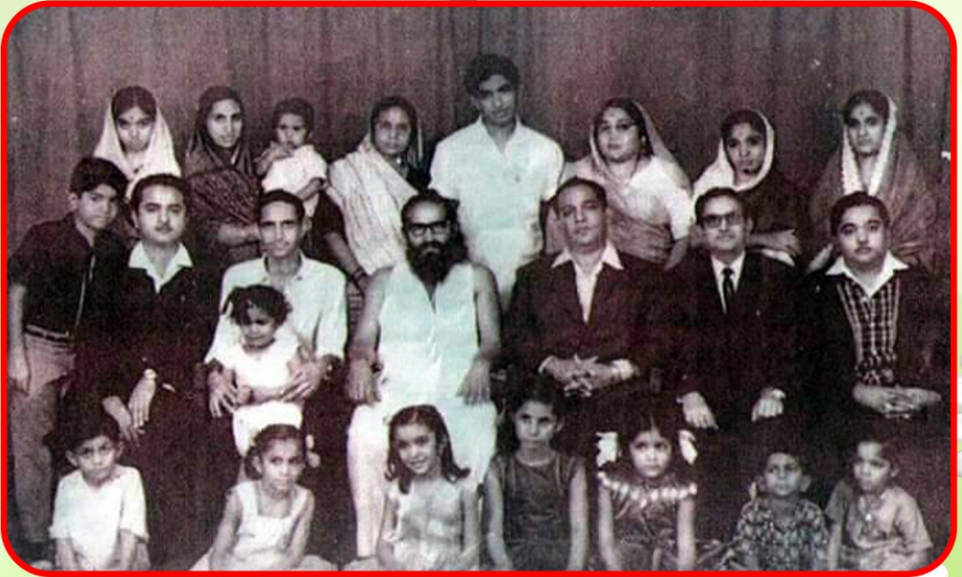
दिल्ली में भी आपका अधिकांश में कानून बनाने वाली समिति में बहुमत है तो सब कानूनों की तरह इसका कानून भी क्यों नहीं बना देते।

आम आदमी शराब सुलभ न होने से आदत छोड़ देगा। जन स्वास्थ्य सुधरेगा। अकाल मृत्यु घटेगी। नैतिकता का प्रचार होगा। चरित्र आएगा। गरीबी घटेगी। गरीब अपने रुपए को खाने कपड़े में लगाएगा। बच्चों का ख्याल करेगा। तब भारत बनेगा। फिर महात्माओं के आदेशों में चलकर विश्व को आध्यात्मिक ज्ञान विश्व प्रेम एवं नैतिकता की रोशनी देगा। तब दुनिया के लोग शाकाहारी होंगे अध्यात्म को मानेंगे। ~04.11.1972

एक आध्यात्मिक क्रांति

बाबा जयगुरुदेव जी ने अपने संदेश में बताया कि निकट भविष्य में संपूर्ण भारत में एक आध्यात्मिक क्रांति होगी। यह क्रांति पिछली क्रांतियों से भिन्न होगी जिसमें तोड़फोड़, आंदोलन, लड़ाई झगड़ा, या खून खराबी नहीं होगी। इस क्रांति का जन्म सद्भाव, प्रेम, सहयोग और सहिष्णुता के हाथों होगा। इसमें पढ़े लिखे तथा अनपढ़ गरीब तथा धनवान हर जाति व संप्रदाय के लोग सम्मिलित होंगे तथा दया, प्रेम, उदारता एवं सद्भाव की स्थापना होगी।

स्वामी जी ने कहा कि सन् 1972 के बाद एक भर्ती होगी। कुछ लोग मंच पर आकर सबके सामने यह प्रतिज्ञा करेंगे कि हम मांस, मछली, मुर्गी, अंडा, शराब, ताड़ी का सेवन नहीं करते तथा जुआ नहीं खेलते व रिश्वत नहीं लेते हैं। आगे वे यह भी कहेंगे कि हम 5 वर्ष में सब का मांस मछली खाना शराब ताड़ी पीना व रिश्वत लेना तथा जुआ खेलना बंद करा देंगे। देश में 5 साल बाद कोई भूखा नंगा वह बेकार नहीं होगा। आज कल बेकारी की हवा

चल रही है। शिक्षित वर्ग में इससे काफी असंतोष है। आगे छात्रों को स्कूलों तथा कालेजों से निकलने के बाद एक माह का विश्राम करने के पश्चात तुरंत नौकरी मिल जाएगी। महंगाई इतनी नहीं रहेगी। ~21 अगस्त 1972

न्याय के तख्त पर बच्चे अपने बाप को भी माफ नहीं करेंगे

जयगुरुदेव बाबा ने करीब पांच लाख से ऊपर के नर नारियों को अपना अमर संदेश सुनाते हुए कहा कि अब आप लोग तैयार हो जाइए। जमाना जरूर बदलेगा। काम करने वाली शक्तियां देश के विभिन्न प्रांतों हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार, बंगाल, आसाम, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश आदि प्रांतों में माताओं के गर्भ से पैदा हो गई हैं। मैं 20 करोड़ का प्लेटफार्म तैयार कर देता हूं तब देखना कि कैसे परिवर्तन होता है। वह बच्चे देश में जितनी भी डिस्टलरी है, मांस, मछली, शराब, ताड़ी, गांजा, भांग की दुकानों को बंद कर देंगे।

हजार नहीं, लाख नहीं अगर करोड़ों की थैली भी इनको कोई दे तो वह बच्चे उस पर पेशाब करके बहा देंगे और फैसला वही करेंगे जो न्याय संगत होगा। वह बच्चे अपने बाप को भी माफ नहीं करेंगे वह बच्चे वह जमाना लाकर दिखा देंगे जिसकी तुम्हारे दिमाग में जूं भी नहीं है।

~24 नवंबर 1972, जयपुर

भविष्य में गर्मी के कारण स्त्रियों के गर्भ गिर जाएंगे

यहां बाबा जयगुरुदेव जी ने अपने संदेश में बताया कि आगे वर्षा सूखा पड़ने से तथा लड़ाईयों में फूटे बमों से भारी हानि होगी। इतनी भयंकर गर्मी पड़ेगी कि स्त्रियों के गर्भ भी गिर जाएंगे। तुम क्या परिवार नियोजन की बात करते हो ? उस कुदरत का क्या भरोसा ? वह कुछ का कुछ कर सकती है। उस गर्मी

से मांस मछली अंडा शराब आदि का सेवन करने वालों का बुरा हाल होगा।

~22 सितंबर 1972, जयपुर

आगे लाशों को उठाने वाला कोई नहीं मिलेगा

आगे लोग इतनी संख्या में मरेंगे कि लाशों को उठाने वाले नहीं मिलेंगे। आप इसे अभी नहीं समझ सकते। जब समय आएगा, अपने आप समझने लगेंगे। वर्षा न होने से एक स्थिति ऐसी भी आ जाएगी कि अकाल के कारण लोग नाक से भोजन करेंगे अर्थात सूंघने को भोजन मिल जाए तो भी संतोष करेंगे। पेड़ों के पत्ते खा खा कर उस समय को पार करेंगे। ट्यूबवेलों व कुओं का पानी सूख जाएगा। जानवर व मनुष्य इस भयंकर स्थिति को सहन करने में अपने आप को असमर्थ समझेंगे। केवल वही बचेंगे जो अपने आप को समय रहते संभाल लेंगे।

~28 सितंबर 1972

मुझे अवतार घोषित करें

जयगुरुदेव बाबा ने यहां बताया कि मेरे पास लोगों की चिठ्ठियां आई है जिनमें लिखा है कि ''हमें अवतार घोषित कर दें''। बाबा जी ने आगे बताया कि अवतार जो होता है उसे लोग जान लेते हैं उसे घोषित नहीं किया जाता है। सूर्य जब निकलता है तो लोग समझते है कि सूर्य है। वह कहने नहीं आता है कि मैं सूर्य हूं।

~अगस्त 1972, इलाहाबाद

दूब घास में १०० अंडों की ताकत है

यहां सत्संग में लगभग 40 हजार जनता को संबोधित करते हुए जयगुरुदेव बाबा जी ने बताया कि दूब की जड़ को पीसकर उसमें काली मिर्च और मिश्री मिलाकर पी जाओ। इसमें 100 अंडों की ताकत है। सूअर अपने मुंह से इसी जड़ को खोदकर खाता है और इसमें बड़ी शक्ति होती है।

कानपुर, 10 सितंबर 1972

भविष्यवाणियां और अटकल बाजी

कुछ वर्ष पूर्व गोरखपुर गांधी मैदान में प्रवचन करते हुए बाबा जयगुरुदेव जी ने कहा था कि एक समय ऐसा आएगा जब कि बहुत लोगों की भविष्यवाणियां लोगों के सामने आएंगी। आज जभी हम देखते हैं तो यह बात बिल्कुल सत्य उतरती है। बाबा जी तो आज का और आगे के समय का संकेत तो सन 1952 से देते चले आ रहे हैं। भविष्यवाणियों का वह पुरुष कौन है जो आध्यात्मिक क्रांति लाएगा! देश और दुनिया को नई दिशा प्रदान करेगा! आत्मा और परमात्मा के रहस्य प्रकट करेगा! क्या यह सोचने का प्रश्न नहीं है? भविष्यवाणियों के अनुसार वह व्यक्ति भारत ही में जन्म ले चुका है, वह व्यक्ति सन 1972 तक धर्म की जड़ भी जमा रहा है और एकाएक उसका विस्तार होगा। यह सब भविष्यवाणियां कह रहे हैं। एंडरसन के अनुसार वह मानव इतिहास का अकेला व्यक्ति होगा उसे इतना जनसमर्थन प्राप्त होगा जितना आज तक के इतिहास में किसी को भी प्राप्त नहीं हुआ होगा। वह व्यक्ति आध्यात्मिक क्रांति लाएगा।

जब-जब ऐसा महापुरुष जनजीवन के बीच में उतरता है, लोगों में सुधार करता है, तब तब भविष्यवाणियां की गई। इतिहास बताता है कि जब हनुमान ने राम को जंगल में देखा और छद्म वेश में उनका परिचय देने लगे तो केवल इतना सुनने पर कि राम स्त्री वियोग में घूम रहे हैं, राजा दशरथ के पुत्र हैं, लक्ष्मण उनका भाई है। हनुमान को ऋषियों की भविष्यवाणी याद आ जाती है और वह 'प्रभु पहचान परयो गहि चरना।' कृष्ण के आने के पहले भी महान आत्माओं ने भविष्यवाणी की थी और उस समय पर लोगों ने कृष्ण को पहचाना था।
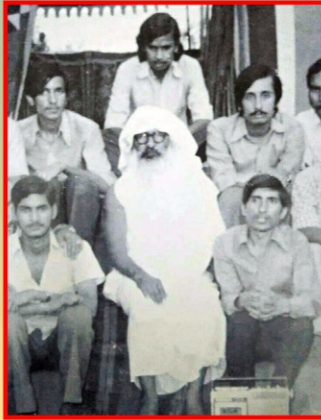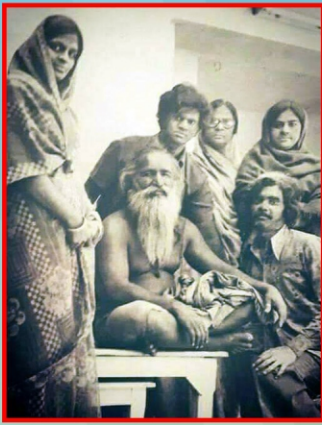
लेकिन वर्तमान समय अंग्रेजीयत का आया। बुद्धिवाद का आया, विदेशीपन का आया। यही कारण है कि अटकल लगाया जा रहा है कि कौन हो सकता है। सोचने की बात है, आध्यात्मिक क्रांति क्या वह लोग ला सकते हैं जो आज की ढुलमुल राजनीति के दलदल में फंसे हैं। खुद भी भ्रमित हैं और सारे देश को भ्रमित कर रहे हैं। क्या विश्व को वह लोग शाकाहारी बनाएंगे जो खुद शाकाहारी नहीं बन सके हैं, राज्य करना व्यवस्था करना व्यापार करना खानपान बिगाड़ना या बनाना और बात होती है। आध्यात्मिक क्रांति लाना और बात होती है। आध्यात्मिक क्रांति लाने वाला पुरुष कोई संत फकीर अथवा महात्मा ही हो सकता है।

हमारे देश की महान विभूतियों ने तो बड़ा ही स्पष्ट इशारा दिया है। सूरदास ने कहा है 'रे मन धीरज क्यों न धरे, संवत दो हजार के ऊपर ऐसा जोग परे, पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण चारों ओर अकाल पड़ेगा,' मौत होगी, तकलीफें आएंगी। इसके बाद परिवर्तन होगा, धार्मिक युग आएगा, सुखी होंगे सभी लोग लेकिन कौन लोग? 'जो गुरु का ध्यान धरे' इससे साफ और क्या-क्या कहा जा सकता है। शाह इनायत फकीर कहते हैं कि 'जो तू हरि नमवा दियो है भुलाय' तो क्या होगा सूखा पड़ेगा अन्न की कमी होगी, गदर होंगे, चारों ओर अशांति की आग उठेगी लेकिन साथ ही साथ अवतारी भी आएंगे। ब्रह्मज्ञान का प्रतिपादन करेंगे नास्तिकों का खात्मा हो जाएगा, उन्होंने तो तारीख भी बता दी सन 1970 से 80 ईसवी तक ''गंदला सबै साफ होई जाय''।

अब आप ठंडे दिल से विचार करें क्या भारत में वह आध्यात्मिक क्रांति की जड़ दृढ़ नहीं हो रही है? आपने जानने का प्रयत्न नहीं किया या

जानने की इच्छा नहीं है। आप सोचते हैं कि जब कोई विदेशी पुष्टि करेगा कि ''भारत का यह महापुरुष है'' तब आप स्वयं मान लेंगे। आप किसी सत्य को जानना ही क्यों चाहेंगे क्योंकि आप तो सत्य को ढक देना चाहते हैं। 1200 मील, 1500 मील की लंबी यात्रा, साइकिलों की कतारें, मोटरों व बसों की कतारें, दिल्ली राजधानी में इतना भव्य कार्यक्रम, भारतवर्ष के सभी प्रांतों से आए यात्रियों का लंबा जुलूस, क्या यह नए उदाहरण नहीं है धर्म ध्वजा फहराने के, आध्यात्मिक क्रांति लाने के। लेकिन राज्य के कर्णधारों को इतनी फुर्सत कहां कि इसके बारे में जानना चाहते हों। इनको देखते आकर कितने विदेशियों ने देखा और फोटो ली मथुरा में। अमेरिका के किसी मिशन के कुछ लोग जयगुरुदेव योगस्थली में आए यहां पता लगाने कि एंडरसन, हरार, डिक्शन कीरो आदि का वह व्यक्ति क्या यहीं तो नहीं अवतरित हुआ है। उन लोगों ने कहा कि इतनी बड़ी भीड़ इतना शांति वातावरण इतना आपसी सहयोग और ऐसे विशाल कार्यक्रमों के बारे में भारत के प्रमुख समाचार पत्र रेडियो यह सब मौन हैं। वे हैरत में थे उन्होंने कहा कि ''यदि हमारे देश में आप का कार्यक्रम होता तो हम टेलीविजन से इसको दिखाते'' बाबाजी तो चुप थे ही हम सभी लोग चुप थे। शर्म के मारे सर नीचा हो गया था। अपने देश की हालत पर क्या जवाब दिया जाता। कहते हुए शर्म आ रही थी कि आप लोग इतने प्रभावित हुए हैं और कह रहे हैं कि शांति के लिए यहां आना ही होगा जबकि हमारे यहां के लोग बाबाजी के बारे में अनर्गल प्रचार करने में हिचक नहीं रहे हैं। दिल्ली में 4 दिन का विशाल धार्मिक सम्मेलन हुआ और अफवाह फैलाई गई कि बाबा जी अपने प्रेमियों के साथ पकड़ लिए गए। वह चीन के जासूस है इत्यादि इत्यादि।

अब घबराने की बात नहीं है। सूर्य चमकता है तो लोग समझ ही लेते हैं कि दिन निकल आया है। वह कहने नहीं आता तो क्या होता है बाबाजी के 20 करोड़ लोग आध्यात्मिक क्रांति ला देंगे दूसरे मुल्क के लोग भी आएंगे इस उपदेश को सुनने।

मैं तुम्हारी नस-नस को जानता हूं

- विदेशी बैंकों में एक एक आदमी का इतना रुपया जमा है कि राजाओं के खजाने में भी इतना रुपया नहीं था। इसलिए देश गरीब हो गया।
- बाबा जी के पास कौड़ी है जिस दिन वह फेंक देंगे फिर तुम सांप की तरह भागते हुए चले आओगे।
- तुम्हारी नस नस को मैं जानता हूं तुम्हारी हर फितरत को मैं जानता हूं। अगर ऐसा ना होता तो इसमें ऐसे लोग बैठे हैं जो मुझे दिन में सौ बार खरीदते और सौ बार बेच देते हैं।
- बाबा जी खेतिहर हैं आश्रम के खेतों में बैठकर हसियां से फसलें काटते हैं, बोझा ढोते हैं और जानवरों को चारा पानी भी देते हैं। उधर से जब इधर आते हैं तो मंच पर बैठकर यह उपदेश भी करते हैं। मथुरा आश्रम में कोई भी आवे भूखा नहीं लौटता है।
- बाबाजी आलू भी खूब पैदा करते हैं और कोल्ड स्टोर में रख देते हैं। साल में भंडारे पर एक बार जब तुम मथुरा जाते हो तो तुम ही लोग डटकर खाते हो।
- मेरा भेद तुम क्या ले सकते हो ? आश्रम पर लोग आते हैं रहते भी हैं और खाते भी हैं मगर बाबा जी की खोपड़ी में क्या है उसे हवा भी नहीं जान पाती तो तुम क्या पता लगा पाओगे ? 24 घंटे 20 वर्ष तक बराबर मेरे

आगे और पीछे लगे रहो फिर भी तुम मेरा भेद नहीं ले सकते हो। अगर दीन भाव से पूछो तो मैं सब कुछ बताने को तैयार हूं।

- जो सबसे अच्छे किस्म के आदमी होते हैं वे शासन में चले जाते हैं दोयम किस्म के लोग व्यापार में लग जाते हैं और जो थर्ड क्लास के आदमी होते हैं वे राजनीति में भाग लेते हैं।
- मंत्री लोग 10 - 10 लाख रुपया ठेकेदार से मांगते हैं और वह देता है। रेट खूब बढ़ा कर वह बिल बनाता है और पास भी हो जाता है। क्या देश कभी उन्नति कर सकता है? ~7 अक्टूबर 1972

बाबा जी! आप भविष्यवाणी बंद कर दें ।

कुछ दिन पूर्व जयगुरुदेव बाबा बंबई आए हुए थे। चर्च गेट पर स्वामी जी विश्व महल में ठहरे हुए थे। एक आदमी दूसरी मंजिल पर स्वामी जी से मिलने के लिए आया। कई लोग बैठे थे सत्संग की चर्चा हो रही थी। इसी बीच में व्यक्ति बोला कि महाराज मैं प्रधानमंत्राी इंदिरा गांधी का संदेशवाहक हूं । उन्होंने आपके नाम संदेश भेजा है।

स्वामी जी ने कहा कि क्या बात है? उसने जवाब दिया कि महाराज इंदिरा जी ने कहा है कि आप भविष्यवाणी करना बंद कर दें। जयगुरुदेव बाबा जी ने तुरंत जवाब दिया कि इंदिरा जी से कह देना कि खुद भविष्यवाणी करना बंद कर दें। फिर उस व्यक्ति ने प्रश्न किया कि इंदिरा जी कौन सी भविष्यवाणी करती हैं? स्वामी जी ने कहा कि यही कि गरीबी दूर कर दूंगी, बिजली लगवा दूंगी, कल यहां जाऊंगी, वहां जाऊंगी यह सब भविष्यवाणी है। कल की हर बात भविष्यवाणी है वह खुद संभल जाएं तो हम संभल जाएंगे। यथा राजा तथा प्रजा। वहआदमी चुपहोगया। ~अक्टूबर 1972

जे गुरु-पद अंबुज-अनुरागी। ते लोकहुँ बेदहुँ बड़भागी।।
अर्दली बाज़ार, बनारस
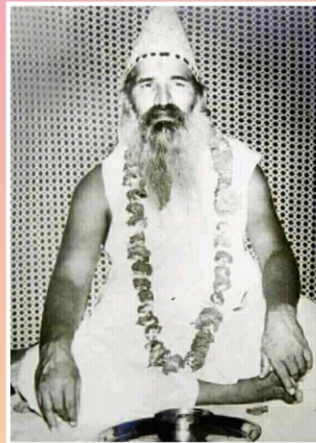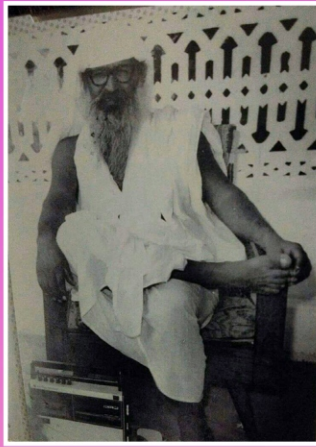
भविष्य में अनाज लेने के लिए तुम्हारी जान ले लेंगे

- एक समय ऐसा आएगा जब कि तुम्हारे रुपए पैसे गहने को छोड़कर गल्ला लेने के लिए तुम्हारी जान ले लेंगे।
- तुम तकलीफों को, भूख को बर्दाश्त कर लेना लेकिन मालिक से रोटी मत मांगना। उससे दया मेहर यानी तकलीफों को बर्दाश्त करने की शक्ति मांगना। यह ठीक है कि वह तुम्हें भूखा नहीं रखेगा। जब लोग भुखमरी की ज्वाला में मरेंगे उस समय अगर तुम्हें एक रोटी भी मिलेगी तो उसकी बहुत बड़ी दया है।
- सुनो सत्संगियों! दुनिया के लोग तो लड़ाई झगड़े के, कलह द्वेष के, तोड़फोड़ आंदोलन हड़ताल के और विनाश के कारण बना रहे हैं। तुम इन बातों का कारण मत बनने देना। तुम दया, प्यार, सेवा, ईश्वर भक्ति, उदारता आदि के कारण बना लो क्योंकि आने वाले समय में व्यक्तिगत बनाए गए कारणों के अनुसार ही कार्य होगा।
- अब देश का सुधार बच्चों द्वारा ही होगा। मेरी बातों को सुनकर बच्चों में एक तरह की फुरफुरी पैदा होती है कुछ कर देने की। इस बात को महात्मा समझ रहे हैं। समय आने पर इन बच्चों को खड़ा कर दिया जाएगा। फिर यह क्या काम करेंगे यह तो समय बताएगा। आप लोग अब अपने बच्चों से होशियार हो जाएं। यह कृष्ण की तरह अपने मामा को माफ नहीं करेंगे, राम की तरह अपने माता-पिता का मोह छोड़ देंगे, बुद्ध की तरह वैभव पर लात मार देंगे और दुनिया को न्याय नीति और धर्म का आदर्श दिखा देंगे।
- अब जनता झूठे वादे करने वालों को सबक सिखा देगी। शराब ताड़ी

पीने वालों को, मांस मछली अंडा खाने वालों को अब जनता का वोट नहीं मिलेगा। ~7 नवंबर 1972

बच्चे भारत के इस संविधान को बदल देंगे

यहां टाउन हॉल के मैदान में लगभग 80 हजार से ऊपर नर नारियों को संबोधित करते हुए जय गुरुदेव बाबा ने कहा कि आज जनतंत्र का बच्चा बच्चा रो रहा है। सात सौ वर्षों के मुसलमानों के राज्य में तथा डेढ़ सौ वर्षों के अंग्रेजों के राज्य में कुल मिलाकर इतना टैक्स नहीं लगा जितना कि केवल एक बांग्लादेश टैक्स लगा है। टैक्सों की भरमार हो गई है और मजदूर गरीब किसान की कमर टूट चुकी है।

किसानों! तुमने अपना अमूल्य मतदान शराबियों, कवाबियों, आंदोलन हड़ताल करने कराने वालों, रिश्वत लेने वालों और चरित्रहीन लोगों को दिया। कर्म विधान के अनुसार इनका पाप तुम पर बंट गया और इतने बुरे दिन आ गए। अभी गरीबी परेशानी तुमने देखा कहां? गरीबी के दिन सन 1973 से आ रहे हैं। कितना खराब समय आएगा? बच्चा तुम्हारे मस्तिष्क में अभी नहीं है।

बाबा ने आगे कहा कि अभी सन 1972 तक 20 करोड़ लोगों का प्लेटफार्म तैयार हुआ जाता है। इस बीच में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, बंगाल, आसाम आदि स्थानों में धार्मिक क्रांति की जड़े फूट कर निकल आयेंगी और पेड़ तैयार हो जाएंगे। फिर तुम इस सत्य आवाज पर कहां-कहां पर्दा डालते रहोगे। इस प्लेटफार्म पर आध्यात्मिक शक्तियां आ रही हैं जो भारत के संविधान को बदल देंगी। यह महान शक्तियां

(1) भारत में सभी बूचड़खाने को बंद कर देंगी।

(2) गाय काटने वालों को 30 साल की सजा।

(3) अंडा मांस मछली शराब की दुकानें बंद कर देंगे और जो कोई इन वस्तुओं को बेचता हुआ पाया जाएगा उसे 10 साल की सजा होगी और सुबह और शाम चूतड़ पर 5 – 5 बेत लगाए जाएंगे।

इन शक्तियों के आने से देश में आपका शासन खत्म हो जाएगा। यह बच्चे दिल्ली से राजधानी को हटा देंगे। राष्ट्रभाषा हिंदी और संस्कृत कर देंगे। नंगे सनीमें बंद कर देंगे। परिवार नियोजन गर्भपात को बंद कर देंगे।

~2 नवंबर 1972, बाराबंकी

पाकिस्तान को जय गुरुदेव बाबा की चेतावनी

भविष्य की चर्चा करते हुए जय गुरुदेव बाबा ने कहा कि दूसरे देशों से पाकिस्तान को बड़े-बड़े बम मिल चुके हैं। पाकिस्तान के सी.आई.डी. अथवा दूसरे देश के सी.आई.डी. अगर यहां बैठे हो तो मेरे इस संदेश को अपने-अपने मुल्कों में पहुंचा दें। अब की लड़ाई में अगर कीटाणु बम का प्रयोग पाकिस्तान ने किया जिससे आदमी, स्त्री, बच्चे, फौज के सिपाही, जानवर मरने लगे तो उस समय कुदरत की तरफ से पश्चिम की तरफ ऐसी जबरदस्त आंधी चलाई जाएगी कि सारे के सारे कीड़े पाकिस्तान में चले जाएंगे और वहां के लोगों का सफाया हो जाएगा। मुसलमान अपने धर्म पुस्तकों को देखें कि उसमें क्या लिखा है। मुसलमानों में आपसी संघर्ष होगा और भारी जनहानि होगी और भविष्य में बांग्लादेश भी खत्म हो जाएगा।

~4 नवंबर 1972, लखनऊ

भारत के सभी बूचड़खाने बंद कर दिए जाएंगे

यहां लगभग 30 हजार से ऊपर ग्रामीण जनता को संबोधित करते हुए जय गुरुदेव बाबा ने बताया कि आगे समय बहुत खराब आ रहा है। बुरे आचरण रखने वाले जनता के चरित्र को नहीं उठा सकते हैं। मैं देखता हूं कि राष्ट्रपति हो या प्रधानमंत्री हो मुख्यमंत्री हो कैसे उनकी शराब नहीं छूटती है। अगर तुम पाप करोगे तो विनाश होगा ही। क्य त्रेता में द्वापर में बूचड़खाने खुले थे? भविष्य में भारत के सभी बूचड़खाने बंद कर दिए जाएंगे।

~6 नवंबर 1972, मैगलगंज सीतापुर

शराब पीने वाला कभी गरीबी दूर नहीं कर सकता

बाबा जी ने बताया कि मेरे पास आकर लोगों ने अपने दुख दर्द को सुनाया। मैंने देखा कि स्त्रियों के शरीर पर ठीक से कपड़ा भी नहीं है। कर्जों से और टैक्स से बेचारों की कमर टूट चुकी है। गरीबी दूर होने के बजाय बढ़ती जा रही है। शराब के नशे में लोग कहते हैं कि मैंने हिंदुस्तान में चारों तरफ दौरा किया और देखा कि सभी लोग खुशहाल हैं। गरीबी दूर हो रही है। इतना समझ लीजिए जो लोग मांस शराब का सेवन करते हैं वह कभी सत्य नहीं बोल सकते हैं और उनकी बातों का कोई भरोसा नहीं है।

~5 नवंबर 1972, लखीमपुर खीरी

अब प्रत्येक रावण मरेगा

- रावण को समझ नहीं आ सकती। अगर समझ आ गई होती तो सोने की लंका क्यों फूक दी जाती। और अब समझ आ भी नहीं सकती। अब तो उसे मरना ही है। राम के समय में तो एक रावण था। अब तो अनेकों रावण है। अब प्रत्येक रावण मरेगा।
- चित्रकूट में जैसे पत्थर पर आटा माड़ कर के मैंने टिक्कर लगाए हैं वैसे
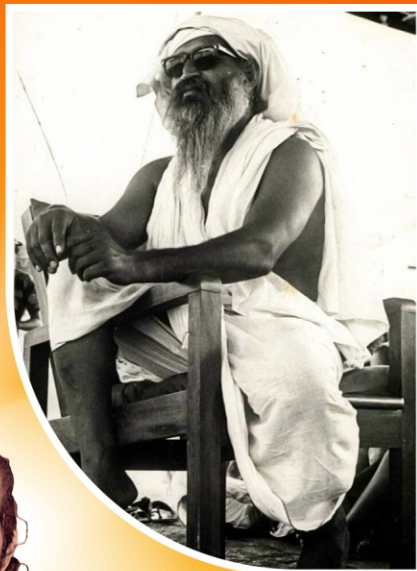
ही तुम को दिखा दूंगा और तुमसे टिक्कर लगवा लूंगा।

- महात्मा भेष की भी आलोचना मत करो। जब तुम आलोचना करना बंद कर दोगे तभी तुम्हें सच और झूठ की पहचान होगी।
- निशाने सब पूरे बन चुके हैं। अब तो अर्जुन गांडीव उठाएगा और तीर छोड़ता चला जाएगा। मरने वाले मारे जा चुके हैं और बचने वालों की रक्षा हो चुकी है। तुम में से कोई भी श्रेय ले ले। वैसे चक्र सुदर्शन तो चल ही रहा है।
- आगे बहुत जोर शोर के साथ सत्संग होगा। समय की कदर करो 1 बजे का समय दिया तो दो-तीन मिनट पहले आया करो। अगर समय से नहीं आओगे तो पूरा लाभ न मिल सकेगा।
- नौकरी वाले ठीक से नौकरी करें, व्यवसाय वाले ठीक से व्यवसाय करें और खेती करने वाले मेहनत से खेती करें। परिवार में मिल जुल कर रहो और दुनिया का काम भी करो और परमार्थ का भी काम ठीक से करो। फिर यहां से तो चलना है ही। यहां कोई नहीं रह सका और तुम भी रहने नहीं पाओगे। ~28 दिसंबर 1972

1972 में स्वामी जी महाराज कहां कहां गये

जनवरी 1972

1 जनवरी से 3 जनवरी 1972 – जयपुर

5 जनवरी – अहमदाबाद

6 जनवरी से 8 जनवरी – ऊना तथा गुजरात के विभिन्न स्थानों पर

9 जनवरी से 10 जनवरी – अहमदाबाद

11 जनवरी से 12 जनवरी – आजाद नगर वाडला (बम्बई)

13 जनवरी से 15 जनवरी – इन्दौर

16 जनवरी से 18 जनवरी – मथुरा

19 जनवरी से 20 जनवरी – लखनऊ

21 जनवरी से 22 जनवरी – कलकत्ता

23 जनवरी – वाराणसी

24 जनवरी से 25 जनवरी – इलाहाबाद

26 जनवरी – नैनी, इलाहाबाद

28 जनवरी – जौनपुर

29 जनवरी – आजमगढ़

30 जनवरी – गोरखपुर

31 जनवरी – खलीलाबाद, बस्ती, गोण्डा

फरवरी 1972

1 फरवरी – बाराबंकी

2 फरवरी से 3 फरवरी – कानपुर

4 फरवरी – दिल्ली

5 फरवरी – इन्दौर

6 फरवरी – ढकलगांव

7 फरवरी से 9 फरवरी – अनेक गांवों में

10 फरवरी – जयपुर

11 फरवरी – अलवर

12 फरवरी – माला खेड़ा, राजगढ़, गुहाड़ा

13 फरवरी – धनोता, सोगोद, महरोली

14 फरवरी – पिलानी, झुन्झुन

15 फरवरी – आमासी, बीबीपुर, सेखीसर

16 फरवरी – फतेहपुर

17 फरवरी – गोगुलपुरा, सुन्दरपुरा

18 फरवरी – खूंड, सिंगरावर, पखेडी

19 फरवरी – नागौर के पास

20 फरवरी – सेवद ग्राम (सीकर, राजस्थान)

21 फरवरी से 23 फरवरी – अजमेर, विजयनगर, किशनगढ़, सावरदा

24 फरवरी – नरेना, फुलेरा

25 फरवरी – याकसू, बस्ती, बड़ी चौपड़ जयपुर

26 फरवरी से 29 फरवरी – रामलीला मैदान जयपुर

मार्च 1972

7 मार्च – भदोही

8 मार्च – जौनपुर

9 मार्च – लखउवां, भटपुरवा, रतासी, जौनपुर

10 मार्च – जोगियापुर, जलालपुर (फतेहगंज बाजार), गोनापार

11 मार्च – रायबरेली

12 मार्च – लालगंज रायबरेली

13 मार्च – शिवगढ़ रायबरेली

14 मार्च – सिसेंडी लखनऊ

15 मार्च – लखनऊ

16 मार्च से 17 मार्च – बरेली

18 मार्च से 20 मार्च – पीलीभीत, सियरा ग्राम परसिया थेदुनी, जतीपुर

21 मार्च से 23 मार्च – हरदोई

24 मार्च – शिवराजपुर कानपुर तिरका

25 मार्च – बेवर, जासमई

26 मार्च से 27 मार्च – छिबरामऊ (मैनपुरी)

28 मार्च – लखनऊ

29 मार्च – बस्ती

30 मार्च – देवरिया

31 मार्च – गोलघर गोरखपुर

अप्रैल 1972

1 अप्रैल – बछरांवा (रायबरेली)

2 अप्रैल – अस्पताल के मैदान में (रायबरेली)

3 अप्रैल – लखनऊ

4 अप्रैल से 21 अप्रैल – मथुरा

22 अप्रैल से 23 अप्रैल – ग्वालियर

24 अप्रैल – शिवपुरी

25 अप्रैल – गुना

26 अप्रैल से 27 अप्रैल – भोपाल

28 अप्रैल – देवास

29 अप्रैल – शिप्रा

30 अप्रैल – इन्दौर

मई 1972

1 मई – दाहोद

2 मई – देपालपुर

3 मई – गौतमपुरा

4 मई – तिलौर खुर्द

5 मई – दतौदा

6 मई – सिरपुर

7 मई – इन्दौर

8 मई – पालिया

9 मई – हाट पिपल्या

10 मई – सांवेर

11 मई – इन्दौर सुभाष चौक

12 मई – इन्दौर

13 मई से 14 मई – दिल्ली

15 मई – छोटी चौपड़ (जयपुर)

16 मई – सांताक्रुज (बम्बई)

17 मई – सात रास्ता बम्बई

18 मई – शिवाजी मैदान थाणे

19 मई से 20 मई – आजाद नगर बड़ाला (बम्बई)

22 मई से 23 मई – सिसेंडी लखनऊ

24 मई – सतांव (रायबरेली)

25 मई– सलोन बाजार (रायबरेली)

26 मई – बछरांवा (रायबरेली)

27 मई एवं 28 मई – रायबरेली

29 मई – इलाहाबाद

30 मई – प्रतापगंज इंटर कॉलेज, जौनपुर एवं सुजानगंज

31 मई – खुटहन एवं नगर पालिका विद्यालय, जौनपुर

जून 1972

1 जून – ठेकमा, करबला (आजमगढ़)

2 जून – भोजापुर, हंसराजपुर (गाजीपुर)

3 जून – छीरी चौरा (गाजीपुर)

4 जून – गांधी पार्क (गोरखपुर)

5 जून – थावे (गोपालगंज)

6 जून – सारन

8 जून से 9 जून – बलरामपुर (गोण्डा)

10 जून – इकौना, बहराइच

11 जून – पयागपुर (बहराइच)

12 जून – कर्नलगंज

13 जून – गोण्डा

14 जून – नाऊसांडा इंटर कॉलेज (फैजाबाद)

15 जून – सुचेतागंज (फैजाबाद)

16 जून – भिटरिया (बाराबंकी), इन्हौना (रायबरेली)

17 जून – हैदरगढ़, बाराबंकी

18 जून – उसरिया (उन्नाव), उन्नाव

19 जून – कानपुर शहर

20 जून – रूरा ग्राम एवं कानपुर शहर

21 जून – कानपुर शहर

22 जून – तिरवा (कन्नौज)

23 जून से 24 जून – छिबरामऊ (फर्रूखाबाद)

25 जून – फर्रूखाबाद

26 जून से 27 जून – जासमई (मैनपुरी)

28 जून से 21 जुलाई – मथुरा आश्रम

जुलाई 1972

22 जुलाई – रायबरेली, जौनपुर

23 जुलाई – आजमगढ़

24 जुलाई से 26 जुलाई गोरखपुर (गुरु पूर्णिमा पर्व)

27 जुलाई एवं 28 जुलाई – गोरखपुर

29 जुलाई – फैजाबाद

30 जुलाई से 5 अगस्त – इलाहाबाद

अगस्त 1972

6 अगस्त से 8 अगस्त – मथुरा

9 अगस्त से 10 अगस्त – दिल्ली

11 अगस्त – जयपुर

24 अगस्त – कलकत्ता एवं आसनसोल, झरिया, पटना

25 अगस्त – वाराणसी

26 अगस्त से 27 अगस्त – प्रतापगंज, महाराजगंज, खुटहन (जौनपुर)

28 अगस्त – कसिया (रायबरेली)

29 अगस्त – कुण्डा, नौबस्ता (प्रतापगढ़)

30 अगस्त – राधारमण इंटर कॉलेज, दारागंज (इलाबाद)

31 अगस्त – इलाहाबाद संगम किले पर

सितम्बर 1972

1 सितम्बर – बामपुर (इलाहाबाद)

2 सितम्बर से 8 सितम्बर – मिर्जापुर एवं इलाहाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में

10 सितम्बर से 12 सितम्बर – कानपुर के अन्य क्षेत्रों में

13 सितम्बर से 17 सितम्बर – मथुरा आश्रम

17 सितम्बर से 21 सितम्बर – दिल्ली

22 सितम्बर – छोटी चौपड़ (जयपुर)

29 एवं 30 सितम्बर – जयपुर

अक्टूबर 1972

1 अक्टूबर से 6 अक्टूबर – बम्बई

7 अक्टूबर – जोधपुर

8 अक्टूबर से 9 अक्टूबर – दिल्ली एवं लखनऊ

हंसा घबड़ईहो मत,
हम फिर आवेंगे...
चार वर्ण छत्तीस जाति में,
हम घर घर अलख जगावेंगे।
गुरु नाम का डंका लेकर,
हम शब्द का ढोल बजावेंगे!
संत कबीर साहब
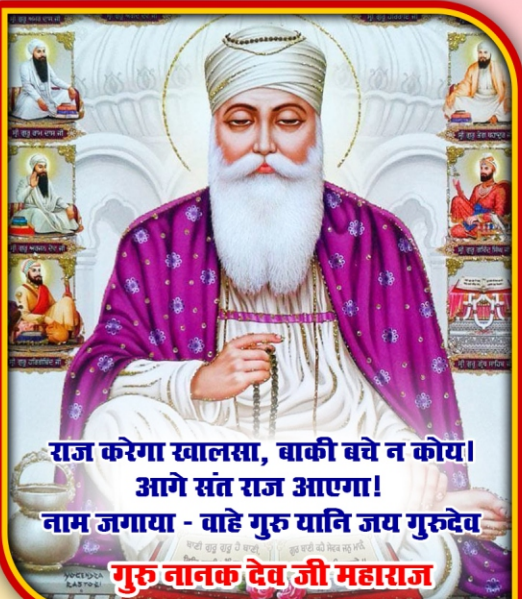
राज करेगा खालसा, बाकी बचे न कोय।
आगे संत राज आएगा!
नाम जगाया - वाहे गुरु यानि जय गुरुदेव
गुरु नानक देव जी महाराज
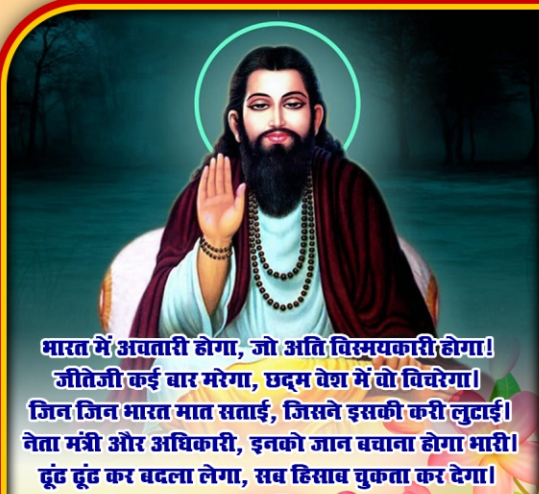
भारत में अवतारी होगा, जो अति विस्मयकारी होगा!
जीतेजी कई बार मरेगा, छद्म वेश में वो विचरेगा।
जिन जिन भारत मात सताई, जिसने इसकी करी लुटाई।
नेता मंत्री और अधिकारी, इनको जान बचाना होगा भारी।
ढूंढ ढूंढ कर बदला लेगा, सब हिसाब चुकता कर देगा।
संत रविदास जी महाराज

आगे हजरत इमाम मेहंदी
आयेगे जो कयामत से बचाएगे!
हजरत इमाम मेहंदी यानी जय गुरु देव
वे हिन्दू कौम में जन्में,
सफेद पोषधारी फकीर होगे।
हजरत पैगंबर मोहम्मद साहब

गुरु बिन भव निधि तरइ न कोई।
जौ बिरंचि संकर सम होई।।
चाहे कोई ब्रह्मा विष्णु महादेव
के समान बलवान ज्ञानवान सामर्थ्यवान
क्यों न हो जाए किंतु बिना गुरु (जयगुरुदेव)
के भवसागर पार नहीं कर सकता है।
संत गोस्वामी
तुलसीदास जी महाराज

जो महापुरुष विश्व परिवर्तन करने के लिए
आयेंगे वो अपना वस्त्र त्याग कर टाट बल्कल
वस्त्र धारण कर लेंगे और पूरा विश्व
उन्हें रतन के नाम से जानेगा।
ज्ञान पोथी से संकलित
(पंजाबी भाषा में)
संत अमरदास की वाणी

संवत दो हजार के ऊपर छप्पन वर्ष चढ़े ।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण, चहुं दिस काल फिरे ।
अकाल मृत्यु जग माहिं व्यापैं, परजा बहुत मरे ।
सहस्त्र वर्ष लगि सतयुग व्यापै, सुख की दशा फिरे ।
स्वर्ण फूल बन पृथ्वी फूले, धर्म की बेल बढ़े ।
काल ब्याल से वही बचे, जो गुरु का ध्यान धरे ।
वक्त के गुरु सतगुरु परम पूजनीय बाबा जयगुरुदेव जी महाराज है।
संत सूरदास जी

उत्तर दिशाची साहेबो आवशे, जागो जुगना वीर।
कलजुग उथापी संतजुग थापसे, बोल्या देवायत पीर ।।
कांकरीये तंबू ताणशे, सो सो गावनी सीम।
रुड़ी दिशा रेणी या मणी, आवशे अर्जुन ने भीम।।
परिवर्तन के समय उत्तर दिशा से साहिब (महापुरुष) आयेंगे
और सारे वीरों को जगाएंगे।
कलियुग भगाएंगे सतयुग लायेंगे,
ये मैं देवायत पीर बोल रहा हूं।
अहमदाबाद के साबरमती नदी के किनारे
वो तंबू शामियाना लगाएंगे, वहां
एक साथ सौं सौं गांव बस जायेंगे
जहां अर्जुन और भीम जैसे सेवक सेवा करेंगे।
देवायत पंडित

10 अक्टूबर से 12 अक्टूबर – वाराणसी
13 अक्टूबर – सैदपुर (गाजीपुर)
14 अक्टूबर – आजमगढ़
15 अक्टूबर – छितौना, गोला बाजार (गोरखपुर)
16 अक्टूबर – गोरखपुर
17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर – पटेल मैदान, समस्तीपुर एवं बिहार के अन्य जिले
22 अक्टूबर – सिकरहा बस्ती
23 अक्टूबर – बस्ती
24 अक्टूबर – शोहरतगढ़
25 अक्टूबर – बलरामपुर
26 अक्टूबर – बहराइच (रायडीह)
27 अक्टूबर – गोण्डा
28 अक्टूबर – अनअुला गोण्डा, फैजाबाद
29 अक्टूबर – बरियावन (फैजाबाद), टांडा
30 अक्टूबर – गोसाई गंज (फैजाबाद)
31 अक्टूबर – हैदरगढ़ (बाराबंकी)

नवम्बर 1972

2 नवम्बर – बाराबंकी
3 नवम्बर – बन्थरा, उन्नाव
4 नवम्बर – बक्शी का तालाब (लखनऊ)
5 नवम्बर – लखीमपुर खीरी
6 नवम्बर – सीतापुर
7 नवम्बर – बरेली
8 नवम्बर – पीलीभीत
9 नवम्बर – पीलीभीत
10 नवम्बर – हरदोई
12 नवम्बर – टडियांव, सहजना
13 नवम्बर – बिश्राम किये
18 नवम्बर से 23 नवम्बर – समस्तीपुर
24 नवम्बर – दिल्ली
25 नवम्बर – जयपुर
26 नवम्बर – जोधपुर (संग्रामगढ़)

दिसम्बर 1972

9 दिसम्बर से 16 दिसम्बर – मथुरा आश्रम (भण्डारा पर्व)
25 दिसम्बर – संग्रामगढ़, अजमेर
26 दिसम्बर से 28 दिसम्बर – मथुरा आश्रम
29 दिसम्बर – भरतपुर
30 दिसम्बर – मथुरा आश्रम
31 दिसम्बर – भरतपुर

जनवरी 1973

1 जनवरी – मथुरा आश्रम

पूरे देश में जयगुरुदेव झण्डा लहराया गया और 2 जनवरी को सम्मान के साथ उतार दिया गया।

नोट

ये केवल उतने ही आकड़े है जो उस समय लिख दिये गये स्वामी जी महाराज कहते हैं कि मैंने उस समय एक दिन में 28 – 28 कार्यक्रम किये हैं। एक दिन में 500 मील चलते थे जो कि किसी भी मानव देहधारी के लिए असम्भव है।

स्वामी विष्णु दयाल शर्मा जी

(बाबा गुरु) ने दादा गुरु जी से

चोला छोड़ने से पहले बताया कि

यहां का (राधास्वामी, स्वामी बाग का)

सत्संग डूब जायगो और कहीं उछरैगो।

स्वामी विष्णु दयाल शर्मा जी (बाबा गुरु)

दादा गुरुजी महाराज के चोला छोड़ने के समय उनके नजदीकी पांच शिष्यों ने पूछा कि स्वामीजी! आगे संगत कौन सम्हालेगा?

तो दादा गुरुजी ने कहा कि

वो, कानपुर वाला सम्हालेगा!

लोगों ने कई बार पूछा,

दादा गुरुजी का जवाब हर बार यही रहा

संत शब्दावली में भी लिखा है कि

वो शक्ति इटावा में जन्मी और जाय कानपुर धाय।

दादा गुरु जी महाराज

सतगुरु वंशावली

3 स्वामी शिवदयाल सिंह जी महाराज

1 संत गोस्वामी तुलसीदास

2 पुनः तुलसी साहिब हाथरस वाले

4 स्वामी गरीबदास जी महाराज

6 दादा गुरु

7 स्वामी जी महाराज

5 स्वामी विष्णु दयाल जी महाराज

हमारे आध्यात्मिक पूर्वज

इस पुस्तक में उल्लेखित सभी वाणियों की पुष्टि के लिए आप शाकाहारी सदाचारी बाल संघ साप्ताहिक पत्रिका एवं अमर संदेश मासिक पत्रिका से कर सकते हैं। जिसको इस वेबसाइट www.jaigurudevsatgurudham.org पर अपलोड किया गया। इस वेबसाइट पर बाबा जयगुरुदेव जी महाराज से संबंधित सभी पुस्तकें एवं पत्रिकाएं उपलब्ध हैं।

परम पूज्य बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के दिव्य आध्यात्मिक सत्संग संदेशों को यूट्यूब चैनल 'जयगुरुदेव आवाज़' पर सीधा प्रसारण देखें।

हमारे प्रकाशन
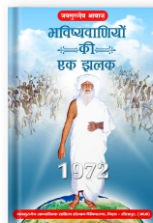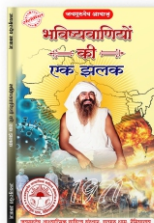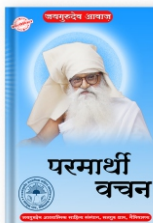
संपर्क सूत्र :-

8840461279, 7562802022, 9259334175, 8957092651

आश्रम का पता :-

जयगुरुदेव आध्यात्मिक आश्रम गुरुद्वारा सतगुरु धाम,

नैमिषारण्य नया बस अड्डा के समीप,

नैमिषारण्य जिला सीतापुर, उत्तर प्रदेश (261401), भारत